PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 210 ● भिलाई, बुधवार 25 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

बजट में खास

- रायपुर, भिलाई व दुर्ग स्टेट कैपिटल रीजन के लिए 68 करोड़
- रायपुर, भिलाई व दुर्ग मेट्रो रेल परियोजना पर आगे बढ़ेगा काम
- भिलाई में व्यावसायिक परिसर निर्माण हेतु 10 करोड़
- नवा रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्रायबल एवं कल्चरल कन्वेन्शन सेंटर निर्माण हेतु 350 करोड़
- हर साल होगा नवा रायपुर में साहित्य उत्सव
- घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने 800 करोड़ का प्रावधान
- बीपीएल उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली देने 354 करोड़ का प्रावधान
- बस्तर-सरगुजा ओलंपिक के लिए 5-5 करोड़
- नक्सल प्रभावित रहे अबूझमाड़ व जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी के लिए 100 करोड़
- डिजीटल भारत निधि योजना तहत प्रदेश में लगेंगे 500 मोबाईल टॉवर
- बस्तर में इंटरनेट सेवा बनाए रखने बस्तरनेट परियोजना, 5 करोड़
- 250 महतारी सदन बनाने 75 करोड़
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 2 हजार करोड़

नई पहल

इस वर्ष प्रस्तुत की गई नई पहलें राज्य की उभरती हुई प्राथमिकताओं और दीर्घकालिक विकास के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करती हैं। इन पहलों का उद्देश्य नई संभावनाओं की पहचान कर राज्य की समावेशी प्रगति एवं आर्थिक उन्नति की दिशा में निर्णायक कदम उठाना है।

1. अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी

अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी की स्थापना के लिए 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य नक्सलवाद के गढ़ कहे जाने वाले अबूझमाड़ और जगरगुंडा को शिक्षा के केन्द्र बिन्दु के रूप में विकसित करना है।

2. नए औद्योगिक पार्क

राज्य में 23 नए औद्योगिक पार्क स्थापित करने हेतु 250 करोड़ का प्रावधान है, जिससे औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

3. लैंड बैंक विकास योजना

लैंड बैंक विकास योजना के लिए 200 करोड का प्रावधान किया गया है. ताकि औद्योगिक प्रयोजन के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

4. बस्तर एवं सरगुजा में औद्योगिक विकास

खाद्य, Agro Forestry, कृषि एवं कृषि संबद्ध उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड का प्रावधान किया गया है।

5. इलेक्टॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर 20 की स्थापना के लिए 10 करोड़ का प्रावधान है।

6. सिरपुर विकास योजना

सिरपुर विकास योजना के अंतर्गत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत के संरक्षण एवं विकास हेतु 42 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जन समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्प लाईन पोर्टल हेतु 22 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

'ज्ञान', 'गति' के बाद 'संकल्प'...

चौधरी ने पेश किया 1 लाख 72 हजार करोड़ का बजट....

रायपुर। विधानसभा में आज वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने 'संकल्प' थीम के साथ वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ का अनुमानित बजट पेश किया। उल्लेखनीय है कि चौधरी ने अपना पहला बजट 'ज्ञान' व दूसरा 'गति' थीम के साथ प्रस्तुत किया था। अपने बजट भाषण में चौधरी ने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है, जिसकी प्राप्ति के लिए हमने 2030 के मध्यकालिक लक्ष्य को भी निर्धारित किया है। हम एक स्पष्ट रोड-मैप के साथ इस ओर आगे बढ़ रहे हैं। इसी पथ पर हमारा प्रत्येक बजट आगे बढ़ता हुआ एक-एक कदम है। बजट भाषण में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि हमारे विकास यात्रा का केन्द्र बिंदु 'ज्ञान' रहा है, जिसके उत्थान के लिए 'गति' की रणनीति पिछले बजट में अपनायी गई थी। 'ज्ञान' के कल्याण के लिए इस बार हमारे बजट का थीम 'संकल्प' है, जो कि जनता जनार्दन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को निष्ठा को समर्पण और दृढ़संकल्प को रेखांकित करता है। कोई भी लक्ष्य पूरा होता है 'संकल्प' से। क्षमता कम या ज्यादा हो लेकिन यदि दृढ़ इरादा हो, संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य संकल्पवान के सामने नतमस्तक हो जाता है। 'संकल्प' का आशय है समावेशी विकास, अधोसंरचना, निवेश, कुशल मानव संसाधन, अन्त्योदय, लाईवलीहुड एवं पॉलिसी से परिणाम तक। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास की गति को और तेजी प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास हो। भविष्य के अनुरूप कार्यबल तैयार हो। आजीविका के नए अवसर उपलब्ध हों। कमजोर वर्ग अग्रणी बनें और छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक कौशल से उन्नत किया जा सके। चौधरी ने कहा कि सरकार के पिछले 2 बजट के मार्गदर्शी सिद्धांत त्रढ्ढह (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) और GATI (Good Governance, Accelerating Infrastructure, Technology, Industrial Growth) थे। इस वर्ष का बजट स्न्ह्लह्य्क्ष यह दर्शाता है कि सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए संकल्पित है, जिससे नीति का उद्देश्य परिणामों में बदल सके और विकास का प्रभाव हर नागरिक और हर क्षेत्र तक पहुँचे। यह एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है जहाँ आर्थिक विस्तार, सामाजिक न्याय, आधारभूत संरचना निर्माण और सांस्कृतिक पहचान सभी एक साथ आगे बढ़ें। चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अपने 25 वर्ष पूर्ण करते हुए रजत जयंती वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाया। इस अवधि में प्रदेश ने आर्थिक विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसका प्रमाण है कि राज्य निर्माण के समय जहाँ प्रदेश का बजट मात्र 4 हजार 944 करोड़ था, वहीं आज यह 35 गुना बढ़कर 1 लाख 72 हजार करोड़ तक पहुँच चुका है। यह बजट सर्वस्पर्शी है जो समाज के सभी वर्गों, महिला, किसान, युवा, उद्यमी की महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। बजट के माध्यम से हमने एक ईमानदार प्रयास किया है कि छत्तीसगढ़ में आर्थिक विकास की गति और तेज हो तथा प्रदेश की इस विकास यात्रा में सभी वर्ग और सभी क्षेत्रों का योगदान हो। SANKALP की थीम पर आधारित यह बजट मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की 3 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। चौधरी ने अंग्रेजी के शब्दों को स्पष्ट करते हुए कहा कि SANKALP का प्रत्येक अक्षर बजट के मूल आधार स्तंभों का संयोजन है। S (एस) यानी समावेशी विकास। समावेशी विकास केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि आज के छत्तीसगढ़ की प्रगति का मूल सिद्धांत है। यह बजट सुनिश्चित करता है कि विकास क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करते हुए हर समुदाय, विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्गों, किसानों, युवाओं और महिलाओं तक पहुँचे। A (ए) यानी अधोसंरचना। सड़क, सिंचाई, बिजली, शहरी विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में अधोसंरचना निर्मित करने हेतु महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। मजबूत आधारभूत संरचना आर्थिक विकास की रीढ़ है और यह राज्य की जनता के जीवन स्तर को और बेहतर बनाएगी। N (एन) यानी निवेश। बजट औद्योगिक विकास और निजी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है। नीतिगत सहयोग, प्रोत्साहन, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों और रोजगार सृजन में तेजी लाई जाएगी। K (के) यानी कुशल मानव संसाधन। बजट में शिक्षा कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया है, ताकि युवा, स्वास्थ्य, उद्योग, आईटी, पर्यटन, नये उभरते क्षेत्रों में रोजगार मूलक कौशल प्राप्त कर सकें। यह पहल राज्य के मानव पूजी आधार को और मजबूत बनाएगी। A (ए) यानी अन्त्योदय। कमजोर और वंचित वर्गों के लिए लक्षित कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। सामाजिक सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता दी गई है। L (एल) यानी लाईवलीहुड। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्र, हस्तशिल्प एवं ग्रामीण उद्यमों को सुदृढ़ और आधुनिक कर, आजीविका के नए अवसर सृजित करने तथा आय बढ़ाने पर इस बजट में जोर दिया गया है। बस्तर एवं सरगुजा में आजीविका के साधनों को सशक्त करने के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। P (पी) यानी पॉलिसी से परिणाम तक। बजट Intent, Initiative, Implement और Impact के मॉडल पर आधारित है, जिसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में Reforms को चिन्हांकित कर, उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है।

राजकोषीय संकेतक

- राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) वर्ष 2025-26 में 6,31,290 करोड संभावित है जो वर्ष 2026-27 में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7.09,553 करोड अनुमानित है।
- राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 में 1,62,848 थी, जो 2025-26 में 10.07 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,79,244 अनुमानित है।
- वर्ष 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियाँ 1,65,100 करोड़ अनुमानित थी, जो वर्ष 2026-27 के बजट में बढ़कर 1,72,000 करोड़ अनुमानित है।
- वर्ष 2025-26 का बजट आकार 1,65,000 करोड़ था, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए 1,72,000 करोड़ अनुमानित है। यह दर्शाता है कि व्यय में वृद्धि, प्राप्तियों के अनुरूप संतुलित है।
- राजस्व व्यय वर्ष 2025-26 में 1,38,196 करोड़ अनुमानित था, जो वर्ष 2026-27 में 1,45,000 करोड़ अनुमानित है। यह वृद्धि सामाजिक योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के विस्तार को दर्शाती है।
- वर्ष 2026-27 में 26,500 करोड़ का पूंजीगत व्यय अनुमानित है, जो कुल बजट का 15.1 प्रतिशत तथा GSDP का 3.7 प्रतिशत है। यह राज्य की अधोसंरचना निर्माण के लिए निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है।
- वित्तीय घाटा वर्ष 2026-27 में 20,400 करोड़ अनुमानित है। यह GSDP का 2.87 प्रतिशत है, जो FRBM अधिनियम के 3 प्रतिशत के मानक के भीतर है।
- वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का राजस्व घाटा 2,000 करोड़ अनुमानित है।

2026-27 का बजट 'संकल्प से सिद्धि' का रोडमैप-मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अंत्योदय और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को साकार करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का पहला बजट ज्ञान और दूसरा बजट गति की थीम पर आधारित था, जबकि इस वर्ष का बजट संकल्प की भावना को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जो विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में समावेशी विकास, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण, निवेश संवर्धन, कुशल मानव संसाधन निर्माण, लाइवलीहुड, अंत्योदय तथा पॉलिसी से परिणाम तक की स्पष्ट रणनीति को प्राथमिकता दी गई है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार मिशन मोड में कार्य करने के लिए पांच मुख्यमंत्री मिशन प्रारंभ कर रही है, जिनमें मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन तथा मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन शामिल हैं। इन मिशनों के माध्यम से प्रदेश के विकास को नई दिशा, नई धार और नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूल शिक्षा के लिए कुल बजट का 13.5 प्रतिशत प्रावधान किया गया है, जो सर्वाधिक है। बस्तर के अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार सुविधा हेतु भी बजट में प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 23 नवीन औद्योगिक पार्कों की स्थापना हेतु 250 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना में 200 करोड़ रुपए तथा भूमि विकास बैंक के लिए भी 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और कृषि क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र के लिए 13 हजार 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के अंतर की राशि का भुगतान एकमुश्त करने की व्यवस्था जारी रहेगी

और इसके लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर और सरगुजा क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों में खाद्य, कृषि और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही बकरी पालन, सूअर पालन और मधुमक्खी पालन जैसे गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इंद्रावती नदी पर देवरगांव और मटनार बैराज निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिससे बस्तर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विस्तार होगा और किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादी उन्मूलन में बस्तर फाइटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए बस्तर फाइटर्स में 1500 नई भर्तियों का प्रावधान किया गया है। पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे योजना हेतु 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिनमें कुनकुरी, मनेन्द्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा एवं दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज संचालन, जगदलपुर-अंबिकापुर हवाई सेवाओं का विस्तार, अंदरूनी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री बस सेवा तथा बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक्स के आयोजन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को तेज करने हेतु व्यापम की दक्षता बढ़ाने के प्रावधान किए गए हैं। साथ ही युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना प्रारंभ की जाएगी तथा लखपति दीदियों के भ्रमण कार्यक्रम के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बजट को प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह बजट प्रदेश को समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।

फ्लैगशिप योजनाएँ

कृषक उन्नति योजना

कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस योजना का उद्देश्य खेती में आधुनिक तकनीक, बेहतर इनपुट और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है।

महतारी वंदन योजना

महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 8,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना

मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 6,500 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य पात्र परिवारों को चावल, चना, शक्कर और नमक उपलब्ध कराना है।

ऊर्जा सब्सिडी

5 एचपी तक के कृषि पंपों वाले किसानों को मुफ्त बिजली हेतु 5,500 करोड़, ल बत्ती कनेक्शन वाले परिवारों को मुफ्त बिजली हेतु 354 करोड तथा घरण उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक आधा बिजली बिल हेतु 800 करोड़ सहित कुल 6,700 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 4,000 करोड का प्रावधान किया गया है।

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना

सभी नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करने हेतु शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में 1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

पीएम जनमन योजना

विशेष पिछड़े जनजातीय समूहों (PVTGS) के विकास हेतु पीएम जनमन योजना अंतर्गत 720 करोड का प्रावधान किया गया है।

A. जल जीवन मिशन 3 हजार करोड़
B. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2 हजार करोड़
C. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 1 हजार 725 करोड़
D. समग्र शिक्षा अभियान-1 हजार 500 करोड़
E. प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 825 करोड़
F. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 820 करोड़
G. दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना- 600 करोड़
H. समग्र विकास योजना (ग्रामीण विकास) 300 करोड़

विकास की गति न रूकी है, न रूकेगी, ये है ट्रिपल इंजन की सरकार : महापौर रामू रोहरा

ग्राम अर्जुनी, भानपुरी, तरसींवा, कुर्रा, अमलीडीह, नया बस स्टैंड को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग निर्माण हेतु 24 करोड़ रुपये की स्वीकृति

धमतरी। धमतरी विधानसभा क्षेत्र में जिस कार्य को लेकर विधायक को कार्य करना चाहिये, उस कार्य के प्रति उनका कोई मोह नहीं है, इसीलिये वे शहर के भीतरी इलाकों में कभी नहीं देखे गये और जब ट्रिपल इंजन की सरकार द्वारा न सिर्फ ग्रामीण बल्कि शहरी क्षेत्रों में विकास की बयार बहाने वाले रामू रोहरा के द्वारा स्वीकृत कराये जा रहे कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के उद्देश्य से मिथ्या बातें प्रसारित हो रही हैं जिससे पता चलता है कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के लिये कितने सक्रिय हैं। चुनाव संपन्न हो जाने के बाद विधायक ने कभी 40 वार्डों का भ्रमण नहीं किया। वहां के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर कोई जानकारी नहीं ली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों ने शहर की जनता को धमतरी शहर में कार्यालय खोलने की बात कही जो अब तक पूरी नहीं हो सकी। अपने जरूरी कामों को लेकर संबंधित व्यक्ति को शहर से 4 किमी दूर रूद्री स्थित उनके निवास में जाना पड़ता है, वहां जाने पर भी समस्याग्रस्त व्यक्ति को मायूसी का सामना करना पड़ता है और वे मन मसोसकर रह जाते हैं। विधानसभा चुनाव के समय जनसंपर्क अभियान में जब विधायक वोट मांगने के लिये शहर के मतदाताओं के समक्ष गये तो उनकी हर समस्याओं को दूर करने का वादा किया था। लेकिन आज पर्यंत तक वे मोहल्ले में गये ही नहीं जहां समस्याएं विद्यमान हैं। इधर रामू रोहरा ने जिस तरह शहर की जनता को विकास का आश्वासन दिया और पदभार संभालने के पूर्व निगम के मुख्य द्वार पर मत्था टेककर सुशासन और जीरो टॉलरेंस की घोषणा की, उसमें उन्होंने अपने अल्पावधि के कार्यकाल में शहर की जनता के सुख दुख को देखने के लिये स्कूटी में शहर भ्रमण किया और समस्याओं को दूर किया। इसके साथ साथ शहर विकास के लिये बायपास इत्यादि की घोषणा की। धमतरी विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक एवं निर्णायक उपलब्धि हासिल होते जा रही है जो आने वाले समय में शहर विकास एवं सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी एवं इसका लाभ

शहर की जनता को सदैव मिलता रहेगा। पूर्व में इनकी सक्रियता को देखकर भाजपा हाई कमान ने वरिष्ठ नेताओं के परामर्श पर श्री रोहरा को प्रदेश भाजपा महामंत्री बनाया जिसके कारण उनके समक्ष शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को उठाने का मौका मिला। आज शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता इनसे काफी प्रसन्न है और वे ग्रामीण क्षेत्र की भी समस्याओं को इनके समक्ष रखते हैं जिस पर वे तत्काल कार्यवाही करवाते आ रहे हैं। यही कारण है कि बनिस्बत विधायक के कार्यकलापों से बढ़कर महापौर के कार्यकाल को माना जा रहा है। ट्रिपल इंजन की सरकार में नई-नई सौगातें धमतरी जिले को मिल रही है। धमतरी जिले में विकास की गति लगातार तेज हो रही है। युवाओं को सेना में प्राथमिकता दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल धमतरी जिले में खुलने की स्वीकृति प्राप्त हुई है। सैनिक स्कूल धमतरी मुख्यालय में खुलने से इसका लाभ जिले के विकास के लिये नये रास्ते खुलेंगे। वहीं जिलेवासियों की वर्षों पुरानी मांग नेरोगेज से ब्राडगेज भी लगभग पूर्ण होने की कगार पर है। रेल्वे कनेक्टिविटी बढ़ने से भी धमतरी में विकास की गति और तेज होगी। नगर निगम महापौर रामू रोहरा के सतत प्रयास, दूरदर्शी नेतृत्व और सक्रियता के चलते ग्राम अर्जुनी, भानपुरी, तरसींवा, कुर्रा, अमलीडीह एवं नया बस स्टैंड को जोड़ने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण हेतु 24 करोड़ रुपये की अभूतपूर्व स्वीकृति प्राप्त करने में इन्होंने सफलता अर्जित की। यह मार्ग केवल डामर और कंक्रीट की सड़क नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि, शहरी विस्तार और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है जिससे ग्रामीण इलाके के रहवासी निरंतर बारामासी इस मार्ग पर आना-जाना कर सकते हैं।

इससे आवागमन सुगम होगा, व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी, किसानों की उपज को बेहतर बाजार मिलेगा। विद्यार्थियों की शिक्षा तक पहुंच सशक्त होगी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महापौर रामू रोहरा ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्तमंत्री ओ पी चौधरी, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा तथा सांसद रूप कुमारी चौधरी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के कारण ही धमतरी को यह ऐतिहासिक सौगात प्राप्त हुई है। महापौर ने दृढ़ता से कहा कि हमारा संकल्प स्पष्ट है, सुविधाजनक सड़क नेटवर्क, उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक आधारभूत संरचना के माध्यम से धमतरी को विकास के पथ पर अग्रसर करते हुए एक आदर्श मॉडल जिला बनाना है। लगातार पदभार संभालने के बाद वे धमतरी जिले के विकास के लिये कृत संकल्पित हैं। इसी वजह से उन्होंने 24 करोड़ की लागत से उपरोक्त ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण के लिये यह स्वीकृति प्राप्त की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सतत प्रयासों से धमतरी विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख सड़कों का शीघ्र चौड़ीकरण सुनिश्चित किया जाएगा जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाई मिलेगी। यह परियोजना दशकों पुरानी जन.आकांक्षा को साकार करते हुए विकास की रफ्तार को दोगुना करेगी और धमतरी को प्रगति, समृद्धि एवं सशक्त बुनियादी ढांचे के नए शिखर पर स्थापित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

वार्षिकोत्सव के द्वितीय दिवस का भव्य आयोजन

सरायपाली। स्व राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह के द्वितीय दिवस पर पुरस्कार वितरण सह स्नेह सम्मेलन अत्यंत गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सुसज्जित मंच, उत्साहित विद्यार्थियों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती वंदना एवं राज्य गीत के साथ हुआ, जिससे वातावरण श्रद्धा और उत्साह से भर उठा। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद महोदया रूपकुमारी चौधरी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरला कोसरिया, सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोगरा पटेल, अध्यक्ष जिला पंचायत महासमुंद , चंद्रकुमार पटेल, अध्यक्ष महाविद्यालय जनभागीदारी समिति एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पलता चौहान, कुमारी भास्कर, संजय शर्मा, विपिन उपोवेजा, स्वर्ण सिंह सलूजा, डॉ. प्रकाश पटेल, धनेश नायक, प्रमोद सागर, विदित धनानियां, प्रखर अग्रवाल, विद्याचरण चौधरी, कन्हैया लाल पटेल, भूपेश सलूजा, धर्मेंद्र ठाकुर, गुंजन अग्रवाल , डॉ. पीतांबर साहू, कु भूमिसूता वैष्णव तथा

अविनाश सिंह सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्राचार्य महोदय द्वारा उद्बोधन एवं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों तथा सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रसंघ अध्यक्ष भूमिसूता वैष्णव ने विद्यार्थियों की ओर से मांग प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विकासोन्मुख सुझाव रखे। मुख्य अतिथि सांसद रूपकुमारी चौधरी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में क्षेत्रीय विकास, उच्च शिक्षा के विस्तार एवं युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर विशेष जोर दिया। युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में सरला कोसरिया ने नारी सशक्तिकरण एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण पर अपने विचार रखते हुए छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं, प्रावीण्य सूची तथा छात्रसंघ में सक्रिय भूमिका निभाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों के उत्साह और आत्मविश्वास ने पूरे परिसर को गौरवान्वित कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी गीत एवं नृत्य ने कार्यक्रम में रंग भर दिए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संचालन कु. आकांक्षा पुरोहित ने कुशलता से किया, जिससे कार्यक्रम में निरंतर ऊर्जा और आकर्षण बना रहा। महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग कार्यक्रम की सफलता में सराहनीय रहा। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. चंद्रिका चौधरी, सहायक प्राध्यापक हिंदी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन छात्र संघ अध्यक्ष कु. भूमिसूता वैष्णव ने किया।

रंग पर्व 4 मार्च को मनाया जायेगा–विप्र विद्वत परिषद

2 मार्च को होलिका दहन एवं 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण

धमतरी। विप्र विद्वत परिषद धमतरी ने बताया कि होली का त्योहार हिन्दुओ का सबसे बड़ा त्योहार है। शास्त्रानुसार होलिका दहन के उपरांत शुभकार्य के सभी दरवाजे खुल जाते हैं। यह त्यौहार जितना महत्वपूर्ण है, इस त्यौहार को मनाने वाले काल, समय, मुहूर्त भी उतना महत्वपूर्ण है। परिषद ने बताया कि इस वर्ष देव पंचांग के अनुसार फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 2 मार्च सोमवार शाम को 5 बजकर 55 मिनट प्रारंभ होगा। होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात्रि 1 बजकर 26 मिनट से रात्रि 2 बजकर 38 मिनट में होलिका दहन करना श्रेयस्कर रहेगा एवं उस समय भद्रापुच्छ में रहेगा। 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण रहेगा। ग्रहण का सूतक प्रातः 9.7 मिनट, ग्रहण स्पर्श शाम 6.7 मिनट, ग्रहण मोक्ष शाम 6.47 मिनट पर होगा। 4 मार्च मंगलवार को रंगपर्व वसंतोत्सव का पर्व मनाया जायेगा। विप्र विद्वत परिषद ने अपील किया है कि उपरोक्त तिथि एवं मुहूर्त पर पवित्र त्यौहार होली को भाईचारे एवं शांतिपूर्ण मनाया जाये। उक्त जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी पंडित राजकुमार तिवारी द्वारा दी गई।

ग्राम मर्राकोना के प्रतिनिधियों ने शिवनाथ नदी एनीकट के जल के दुरुपयोग पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष से की मुलाकात

बलौदाबाजार। ग्राम मर्राकोना के सरपंच कुबेर यदु, उपसरपंच इंदरमन साहू, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सिमगा एवं ग्राम कुलीपोता के सरपंच सहित ग्राम मर्राकोना, दोरेंगा एवं कुलीपोता के समस्त ग्रामवासी आज जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुसुमित्रा धृतलहरे से सौजन्य मुलाकात करने पहुंचे। मुलाकात के दौरान ग्राम प्रतिनिधियों ने शिवनाथ नदी के एनीकट में संचित जल में विद्युत पम्प लगाकर की जा रही अवैध सिंचाई को तत्काल बंद कराने की मांग रखी। उन्होंने कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग बैमेतरा द्वारा जारी पत्र के संदर्भ में भी जिला अध्यक्ष को अवगत कराया तथा बताया कि इस अवैध सिंचाई से क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामवासियों ने मांग की कि एनीकट के जल का उपयोग नियमों के अनुरूप हो तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर तत्काल रोक लगाई जाए, जिससे सभी किसानों को समान रूप से जल उपलब्ध हो सके। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुसुमित्रा धृतलहरे ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी तथा समस्या के त्वरित निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और उन्होंने एकजुट होकर अपनी बात रखी।

राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने किया गरियाबंद के सुदूर क्षेत्रों का दौरा

गरियाबंद। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने गरियाबंद जिले के ब्लॉक देवभोग और मैनपुर का दो दिवसीय सघन दौरा किया। इस प्रवास के दौरान उन्होंने मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की जमीनी हकीकत जानी और हितग्राहियों व स्वच्छताग्रहियों से सीधा संवाद किया। अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पंडा ने देवभोग ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरबाहली, चिचिया और डूमरबहाल का भ्रमण किया। इसके पश्चात उन्होंने मैनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत इंदागांव, तौरेंगा, मैनपुरखुर्द और मैनपुरकला का दौरा कर वहां स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे निर्माण कार्यों और स्वच्छता प्रबंधन का बारीकी से निरीक्षण किया। दौरे के दौरान दीदियों ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, आपके आगमन से हमें नई ऊर्जा और मोटिवेशन मिला है। अब हम और भी अधिक जोश के साथ अपने गांवों को मॉडल बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। निरीक्षण के दौरान पंडा ने ग्राम पंचायत डूमरबहाल में सामुदायिक शौचालय के बेहतर संचालन के लिए उसकी

जिम्मेदारी स्वच्छताग्राही दीदियों को सौंपने केलिए पंचायत से सरपंच को आग्रह किये, जिला समन्वयक परवेज हनफी ने भी दीदियों को संबोधित करते हुए बताया कि भविष्य में स्वच्छता मिशन से जुड़कर वे किस प्रकार अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर सकती हैं और इसके क्या लाभ होंगे। राज्य सलाहकार ने विकासखंड देवभोग और मैनपुर के समन्वयक उत्तर यादव को इन ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों पर विशेष ध्यान देने और मिशन के लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने हेतु निर्देशित किया। कचरा संग्रहण, प्लास्टिक को इकट्ठा कर श्रेडिंग प्लास्टिक को पीएमजीएसवाई को रोड निर्माण के लिए बेचने हेतु सभी स्वच्छाग्रही समूह को प्रोत्साहित किया ।

मांग पूर्ण होने तक जारी रहेगा धरना–गंगरेल डूबान प्रभावित

धमतरी। गंगरेल बाँध प्रभावित जनकल्याण समिति के नेतृत्व में गंगरेल बाँध के डूब प्रभावित परिवारों द्वारा 23 फ़रवरी 2026 से गांधी मैदान, धमतरी में अनिश्चितकालीन धरना.प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया है। यह निर्णय प्रभावित परिवारों की सामान्य बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया था, क्योंकि वर्षों से लंबित मांगों पर प्रशासन द्वारा कोई ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा 16.12.2020 को पारित आदेश रिट याचिका क्रमांक 5575/2008 एवं 3055/2016 के बावजूद पात्र प्रभावितों को समानता के आधार पर भूमि आवंटन अब तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के पश्चात भी आदेश का पालन न होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भूमि एवं स्थायी पुनर्वास के अभाव में

अनेक परिवार आज भी असुरक्षित जीवन जीने को विवश हैं। बच्चों की शिक्षा, आजीविका के साधन तथा सामाजिक स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। समिति ने स्पष्ट घोषणा की है कि जब तक प्रभावितों की न्यायोचित मांगों का निराकरण नहीं किया जाता और उच्च न्यायालय के आदेश का पूर्ण पालन सुनिश्चित नहीं होता, तब तक धरना.प्रदर्शन निरंतर जारी रहेगा। यह आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में संचालित किया जा रहा है। समिति ने जिला प्रशासन से पुनः आग्रह किया है कि शीघ्र सकारात्मक पहल कर प्रभावित परिवारों को उनका वैधानिक अधिकार प्रदान किया जाए, जिससे वर्षों से लंबित न्याय की प्रतीक्षा समाप्त हो सके। इस अवसर पर रामनिहोरा निषाद, महाराजीराम ध्रुव, आत्माराम ध्रुव, कृपाराम सिन्हा, सहदेव साहू, पंडोराम मंडावी, रोहित नेताम, जय कुमार सेन, गोपाल राम सिन्हा, शंभूराम, पुष्कर शोरी, उत्तम सहारे सहित सभी डूबान प्रभावित वासी आदि उपस्थित थे।

चर्रा में विकसित भारत अभियान अंतर्गत रोजगार गारंटी, आजीविका मिशन की दी जानकारी

धमतरी। जिले के कुरुद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चर्रा स्थित क्लस्टर संगठन चर्रा में स्व सहायता समूह की दीदियों के लिए एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह ठाकुर के निर्देशन में विकसित भारत संकल्प के तहत संचालित रोजगार गारंटी योजना एवं ग्रामीण आजीविका मिशन का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात क्लस्टर संगठन की अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह की महिलाएं आज गांव की आर्थिक सशक्तिकरण की रीढ़ बन चुकी है और शासन की योजनाओं का सही लाभ लेकर वे अपने परिवार और गांव दोनों को समृद्ध बना सकती हैं। विकसित भारत का सपना तभी

साकार होगा जब गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। ग्रामीण आजीविका मिशन 125 दिनों की गारंटी देकर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। स्व सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिससे वे छोटे.छोटे व्यवसाय प्रारंभ कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि शासन द्वारा समय.समय पर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं, जिनका लाभ उठाकर महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। क्लस्टर संगठन चर्रा की महिलाओं ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन कार्यक्रम से उन्हें योजनाओं की सही जानकारी मिलती है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं। कई महिलाओं ने बताया कि पहले उन्हें योजनाओं की प्रक्रिया समझ में नहीं आती थी। लेकिन अब वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 80 वें महाअधिवेशन में हुए शामिल

ग्राम चांपा में दो दिवसीय आयोजन, स्वतंत्रता सेनानी डॉ खूबचंद बघेल को दी श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को ग्राम चांपा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 80 वें दो दिवसीय महाअधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी डॉ.खूबचंद बघेल की पुण्य तिथि पर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समाज की विभूतियों और महान व्यक्तित्वों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने ग्राम नरदहा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बलौदा बाजार में सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समाज को परिश्रमी, उन्नत कृषक एवं संगठित बताते हुए

राज्य के विकास में उनके योगदान की सराहना की और 80वें महाअधिवेशन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री के गृह ग्राम चांपा में यह आयोजन हो रहा है, मुझे भी यहां आने का अवसर मिला , जो सौभाग्य की बात है। महाअधिवेशन समाज में मेल-मिलाप, समन्वय और सकारात्मक निर्णयों का माध्यम है, जिससे न केवल समाज बल्कि प्रदेश और देश को भी लाभ मिलता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मनवा कुर्मी समाज छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ खूबचंद बघेल जैसे महान व्यक्तित्वों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज जी के जीवनी पर आधारित जीवंत नाटिका का मंचन किया जा रहा है जिसे अवश्य देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बेहतर इंसान और सशक्त समाज के निर्माण का आधार है। समाज के प्रत्येक बेटा-बेटी को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने महिला स्वरोजगार, युवा वर्ग के नशा मुक्ति अभियान तथा शिक्षा की व्यवस्था जैसे निर्णयों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विगत दो वर्षों में प्रधानमंत्री की गारंटी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए हैं। इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है तथा होली से पूर्व किसानों को अंतर की राशि लगभग 10 हजार करोड़ रुपये वितरित की जाएगी। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक 15 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। पहली बार 45 गांवों में तिरंगा फहराया गया है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में सरकार दृढ़ता से कार्य कर रही है। नियद नेल्लर योजना के माध्यम से 400 गांवों में विकास कार्य हुए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास हुआ है। किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं। विकास में कोई कमी नहीं है। आज हर वर्ग खुशहाल है। राज्य समृद्धि की ओर अग्रसर है। अधिवेशन में केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम वर्मा ने समाज द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज ने मृत्युभोज एवं कलेवा प्रथा को पूर्णतः बंद करने, विधवा विवाह को पुनः लागू करने, समारोहों में डीजे पर प्रतिबंध तथा प्री-वेडिंग कार्यक्रमों को समाप्त करने जैसे सामाजिक सुधार के निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि समाज छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभ भाई पटेल,डॉ. खूबचंद बघेल के आदर्शों पर चलकर सामाजिक समरसता और प्रगतिशील सोच को आगे बढ़ा रहा है। अधिवेशन में राजिम विधायक रोहित साहू, बलौदा बाजार राजप्रधान मती सुनीता वर्मा, महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राहुल टिकरिहा सहित बड़ी संख्या में स्वजातीयजन और युवा उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

रायपुर। राजधानी के पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत भांठागांव स्थित अवधपुरी में नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक छात्र ने दो मंजिला इमारत से गले में जीआई तार बांधकर छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान रायगढ़ निवासी पुष्पेंद्र पटेल के रूप में हुई है। वह भांठागांव में किराए के मकान में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घटना के बाद वह फंदे पर लटका हुआ मिला, जिसे देख इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुरानीबस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। छात्र के इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

अस्पताल में हंगामा कर डॉक्टर से किया मारपीट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के बोड़ला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ एक युवक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और इलाज को लेकर कर्मचारियों से बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने डॉक्टर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ भी धक्का-मुक्की किए जाने की बात सामने आई है। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद मरीजों व उनके परिजनों में भय का माहौल बन गया। अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और लोगों ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित करते हुए आरोपी को काबू में किया।

नया रायपुर में नाइजीरियन छात्रों के कथित अश्लील वीडियो से बवाल

रायपुर। नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित एक रिहायशी परिसर से सामने आए एक कथित आपत्तिजनक वीडियो ने स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में कुछ युवक-युवतियों को पार्किंग क्षेत्र में अशोभनीय गतिविधियों में लिप्त बताया जा रहा है, जिसके बाद आसपास के निवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से क्षेत्र का वातावरण प्रभावित हो रहा है और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित युवक-युवतियां विदेशी मूल के बताए जा रहे हैं, जिनमें कुछ अफ्रीकी देशों, विशेषकर नाइजीरिया से जुड़े छात्र शामिल होने की बात कही जा रही है। ये छात्र नया रायपुर के निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बताए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब उन्हें इस तरह की गतिविधियों से रोका गया।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना

श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप अब संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले

सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं। माता-पिता के रूप में कश्यप दंपत्ति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था। ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अनेक जन कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है।

रायपुर में 14 किलो से ज्यादा गांजा जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 14.613 किलोग्राम गांजा के साथ तीन अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और न्यू राजेंद्र नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि अमलीडीह स्थित मेडिसाइन अस्पताल के पास कुछ लोग गांजा लेकर बिक्री की तैयारी में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीन संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम तुषार नितिन पवार (पुणे, महाराष्ट्र), किरन सीताराम काये (पुणे, महाराष्ट्र) और दीपक तोमर (मुरैना, मध्यप्रदेश) बताए। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अलग-अलग बैग में रखा कुल 14.613 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7.30 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके साथ ही 2 मोबाइल फोन और 1000 रुपये नगद भी जब्त किए गए। कुल जब्त सामग्री की कीमत लगभग 7.51 लाख रुपये आंकी गई है। तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना न्यू राजेंद्र नगर में नारकोटिक एक्ट की धारा 20बी के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर इस मामले से जुड़े अन्य तस्करों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष रूप से एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

साय सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर प्रशासनिक अधिकारी हुए बेलगाम

- एआई जनरेटेड तस्वीर दिखाकर ले लिया प्रथम पुरस्कार, जमीनी स्तर पर काम हुआ ही नहीं

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में भाजपा की साय सरकार प्रशासनिक तंत्र पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा है। पूरे प्रदेश सहित महासमुंद जिले में व्यापक भ्रष्टाचार कर अधिकारियों ने महत्वपूर्ण योजना का सत्यानाश कर दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 योजनांतर्गत संचालित परियोजना जिले में एआई जनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल कर जल संरचनाएं दिखाया गया। जिले को गत दिनों राष्ट्रपति ने जिस उपलब्धि के लिए प्रथम पुरस्कार दिया है, दरअसल जमीनी स्तर पर इसमें कोई काम हुआ ही नहीं है। इस कार्य में जिस विभाग को कार्य एजेंसी बनाया गया। उसी के सबसे बड़े अधिकारी ने इस व्यापक भ्रष्टाचार को अंजाम देकर जिलाधीश को भी भ्रमित करने का कार्य किया है। उक्त वक्तव्य पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन द्वारा उप संचालक कृषि सह परियोजना प्रबंधक डब्लूसीडीसी जिला-महासमुंद को उक्त योजना में जिले में हुई आर्थिक अनियमितताओं को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने पर व्यक्त की है। श्री चंद्राकर ने कहा कि यह सम्मान का विषय है कि महासमुंद जिले को जल संरक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के आधार पर प्रथम पुरस्कार मिला है। लेकिन, उपसंचालक कृषि द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य ना कराकर एआई जनरेटेड तस्वीर प्रस्तुत कर जिलाधीश को भ्रमित किया गया।

जल जीवन मिशन से मांगामार में अब हर घर जल रोज-रोज नहीं ढोना पड़ता पानी

- 522 घरों में नल कनेक्शन से पानी के लिए हैंडपंपों और कुओं पर निर्भरता खत्म

रायपुर/ संवाददाता

522 घरों में नल कनेक्शन से पानी के लिए हैंडपंपों और कुओं पर निर्भरता खत्म522 घरों में नल कनेक्शन से पानी के लिए हैंडपंपों और कुओं पर निर्भरता खत्म भारत जैसे भौगोलिक विविधताओं से भरे देश में विषमताएं विकास की राह में अक्सर चुनौती बनती रही हैं। पठारी और पाट क्षेत्रों से घिरे दूरस्थ गांव पेयजल की समस्या से जूझते रहे हैं। लेकिन अब केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन से दूरस्थ व दुर्गम अंचलों में भी सभी घरों में नल से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। कोरबा जिला मुख्यालय से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मांगामार की तस्वीर अब बदल चुकी है। ढाई हजार से अधिक की आबादी वाले इस गांव में जल जीवन मिशन के तहत एक करोड़ 45 लाख 34 हजार रुपए की लागत से रेट्रोफिटिंग योजना क्रियान्वित की गई है। योजना के तहत 40 किलोमीटर क्षमता की एक उच्च स्तरीय पानी टंकी स्थापित की गई है। गांव के हर एक घर में पेयजल पहुंचाने के लिए 3700 मीटर पाइपलाइन बिछाकर 522 घरों में नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। मांगामार की श्रीमती समारिन बाई खाण्डेल बताती है कि पहले पेयजल के लिए हैंडपंप, कुओं और अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के दिनों में भू-जल स्तर नीचे चला जाता था, जिससे पानी की किल्लत और भी बढ़ जाती थी। कई बार सुबह-सुबह पानी भरने के लिए लंबी कतारें लगती थीं। महिलाओं को घर के कामकाज के साथ पानी लाने घंटों मशक्कत करनी पड़ती थी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल की सुविधा मिलने के बाद अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंच चुका है और नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इससे न केवल जल संकट समाप्त हुआ है, बल्कि महिलाओं की दिनचर्या में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। अब महिलाओं को दूर-दूर तक पानी ढोने की मजबूरी नहीं रही। बचा हुआ समय वे परिवार, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आयवर्धक गतिविधियों में लगा रही हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी सुधार देखने को मिल रहा है, क्योंकि स्वच्छ पेयजल से जलजनित बीमारियों का खतरा कम हो गया है।

छत्तीसगढ़ में फिर साथ दिख सकते हैं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस एक बार फिर बड़े राजनीतिक आयोजन की तैयारी में जुटी है। मार्च के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित मनरेगा बचाओ संग्राम रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि पार्टी इस रैली को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की योजना बना रही है, जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं की उपस्थिति संभावित है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रस्तावित है, जिसमें ओडिशा और झारखंड के

100 से अधिक जिलाध्यक्षों को शामिल किया जाएगा। बैज ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में बिजली बिल हाफ योजना बंद कर दी गई है और बिजली दरों में कई बार वृद्धि की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्युत नियामक आयोग की जनसुनवाई इस बात का संकेत है कि सरकार एक बार फिर बिजली दर बढ़ाने की तैयारी में है। राज्यसभा सीट को लेकर उन्होंने कहा कि उम्मीदवार का चयन पार्टी का विशेषाधिकार है और आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश नेतृत्व अपनी राय देगा। वहीं सुप्रीम कोर्ट की 'फ्रीबीज' संबंधी टिप्पणी पर उन्होंने स्वागत करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान विभिन्न राज्यों में दी जा रही आर्थिक सहायता की जांच होनी चाहिए। आगामी 24 फरवरी को पेश होने वाले राज्य बजट को लेकर भी कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। बैज ने कहा कि विधानसभा के भीतर और बाहर दोनों जगह कांग्रेस विपक्ष की भूमिका को मजबूती से निभाएगी। इसके साथ ही उन्होंने मतदाता सूची को लेकर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया।

रायपुर के श्मशान घाट से शव का सिर गायब

- अस्थि-संग्रह के दौरान खुला रहस्य, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। कबीर नगर थाना क्षेत्र के जरवाय श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के बाद अस्थि-संग्रह के लिए पहुंचे परिजनों को चिता स्थल पर शव का सिर नहीं मिला। इस घटना के बाद परिजनों में आक्रोश और भय का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जरवाय निवासी शेखर यादव का हाल ही में विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। परंपरा के अनुसार अगले दिन परिजन अस्थियां एकत्र करने श्मशान घाट पहुंचे, लेकिन वहां का दृश्य देखकर सभी हैरान रह गए। परिजनों का कहना है कि चिता स्थल पर शव का सिर गायब था, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। घटना को लेकर परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी ने शरारत या किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि चिता के आसपास नींबू, सिंदूर और अन्य सामग्री बिखरी हुई थी, जिन्हें आमतौर पर तांत्रिक क्रियाओं से जोड़ा जाता है। इस वजह से मामले को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इसी बीच श्मशान परिसर में एक लावारिस बाइक भी खड़ी मिली।

मंत्री ने माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना आवश्यक-उद्योगमंत्री

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए माँ परमेश्वरी महोत्सव में

रायपुर/ संवाददाता

वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर और श्रम विभाग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन आज देवांगन जनकल्याण समिति दुर्ग द्वारा आयोजित माँ परमेश्वरी महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। महोत्सव को संबोधित करते हुए मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। जब समाज संगठित रहेगा, तभी वह शिक्षा, व्यापार, शासकीय सेवा और राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि आज कई समाज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर चुके हैं, लेकिन कुछ समाज अभी भी पीछे हैं। ऐसे में सभी समाजों को मिल-जुलकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की अच्छी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाती है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री का भी यही उद्देश्य है कि समाज का हर वर्ग आगे बढ़े। उन्होंने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को दोहराते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया। प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने देवांगन समाज को सुलझा हुआ और जागरूक समाज बताते हुए कहा कि यह समाज लंबे समय से व्यापार, कृषि और वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा क्षेत्र में कोसा व्यापार में भी देवांगन समाज की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता

है जब वह संगठित और मजबूत होकर चलता है, और इसके लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई बार बेटा-बेटी आगे नहीं बढ़ पाते। समाज को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो और बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि समाज को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला समाज बनना चाहिए। इस दौरान खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष श्री राकेश पाण्डेय ने महिलाओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और प्रदेश का समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष श्री पुराणिक लाल देवांगन, श्री कमलेश देवांगन, श्री संकटलाल देवांगन, श्री अशोक देवांगन, श्रीमती कल्पना देवांगन, श्रीमती तुलसी साहू सहित समाज के पदाधिकरण एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट दधीचि से जुड़कर पशु चिकित्सक ने लिया अंगदान का संकल्प, कलेक्टर ने किया सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दक्षिचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बैरन बाजार स्थित जिला वेटनरी हॉस्पिटल में पदस्थ पशु चिकित्सक डॉ. देव प्रभा ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिले में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत उन्होंने अंग दान के लिए पंजीयन कर जनजागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके इस पुनीत कार्य की सराहना की तथा कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है। डॉ. देव प्रभा ने अपने संकल्प के बारे में कहा कि मेरे जाने के बाद यदि मेरे अंगों से किसी को स्वस्थ जीवन मिल सके, तो इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती।

संपादकीय

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की। डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

सवाल यह है कि क्या इशान किशन को अच्छे प्रदर्शन के बाद ड्रॉप करना टीम मैनेजमेंट का फैसला सही था। दो साल तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौका नहीं देना क्या इशान किशन के साथ अन्याय हुआ। दो साल तक भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद सात टी20 इंटरनेशनल मैचों में 53.28 के औसत और 215.6 के स्ट्राइक रेट से 373 रन। इशान किशन की वापसी के बाद के ये आंकड़े स्वाभाविक रूप से चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हैं। क्या 2023 के बाद उन्हें बाहर रखना उस समय की रणनीतिक जरूरत थी या टीम मैनेजमेंट ने एक संभावित मैच-विजेता को जरूरत से ज्यादा लंबा इंतजार कराया? जनवरी 2026 में वापसी के बाद से उनकी निरंतरता और आक्रामक बल्लेबाजी ने इस बहस को फिर से प्रासंगिक बना दिया है। अब चर्चा सिर्फ उनके प्रदर्शन की नहीं, बल्कि चयन में निरंतरता और जवाबदेही की भी हो रही है। नवंबर 2023 की उस सीरीज पर नजर डालें तो तस्वीर एकतरफा नहीं दिखती। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टी20 में वह खाता नहीं खोल पाए, लेकिन उससे पहले दो मुकाबलों में अर्धशतक जड़ चुके थे।

दो साल बाहर, फिर 7 मैच में 373 रन, इशान किशन को टीम से बाहर करने वालों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

(आलोक श्रीवास्तव)

ऐसे में सवाल यह है कि क्या एक असफल पारी निर्णायक साबित हुई या टीम मैनेजमेंट उस समय किसी अलग संयोजन और दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा था? भारतीय टीम में प्रतिस्पर्धा हमेशा कड़ी रही है, जहां हर स्थान के लिए कई दावेदार होते हैं। हर सीजन नए चेहरे उभरते हैं, टीम कॉम्बिनेशन बदलता है, कप्तान की सोच बदलती है और भविष्य की योजनाएं भी। हालांकि, इस जटिल ढांचे के बीच एक मूलभूत सवाल हमेशा कायम रहता है, क्या हर खिलाड़ी को समान मौके और निरंतरता मिलती है? इशान किशन का मामला इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

2023- प्रदर्शन था, भरोसा नहीं: 28 नवंबर 2023, गुवाहाटी- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबला। इशान खाता नहीं खोल पाए। स्कोरकार्ड में '0' दर्ज हुआ। यही उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। उसी सीरीज के पहले दो मुकाबलों में उन्होंने अर्धशतक लगाए थे। यानी फॉर्म पूरी तरह से गायब नहीं थी। एक खराब पारी के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और फिर लगभग दो साल तक वापसी का रास्ता बंद रहा।

यहां सवाल प्रदर्शन का कम और भरोसे का ज्यादा है। क्या चयनकर्ताओं ने उस समय यह मान लिया था कि इशान टीम की दीर्घकालिक योजना में फिट नहीं बैठते? या फिर टीम मैनेजमेंट किसी अलग टेम्पलेट पर काम कर रहा था, जिसमें पावरप्ले आक्रामकता से ज्यादा स्थिरता को प्राथमिकता दी जा रही थी?

2024-2025- नहीं मिले मौके: दो साल का अंतरराष्ट्रीय ब्रेक किसी भी खिलाड़ी के करियर में बड़ा होता है। इस दौरान नए बल्लेबाज उभरे, टीम में संयोजन बदले, कप्तानी में भी बदलाव आया। टी20 प्रारूप में जहां लय और आत्मविश्वास सबसे अहम होते हैं, वहां निरंतर मौके न मिलना खिलाड़ी की मानसिकता पर असर डाल सकता है। हालांकि, घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में इशान किशन ने खुद को चर्चा में बनाए रखा। यह संकेत था कि उनकी क्षमता पर संदेह नहीं, बल्कि चयन का समीकरण अलग था।

2026- वापसी और आंकड़ों की ताकत: इशान किशन ने 21 जनवरी 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। इससे पहले उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को खेला था, जो गुवाहाटी में ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबला था।

उस मैच में इशान किशन अपना खाता नहीं खोल पाए थे। हालांकि, उससे पहले सीरीज के दोनों टी20 मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाए थे, इसके बावजूद उन्हें ड्रॉप कर दिया गया था और करीब दो साल तक उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई।

अब जनवरी 2026 में वापसी के बाद से इशान किशन ने 15 फरवरी 2026 तक सात टी20 इंटरनेशनल मैच खेले, जिसमें 53.28 के औसत और 215.6 के स्ट्राइक रेट से 373 रन बनाए। टी20 क्रिकेट में 200 से ऊपर का स्ट्राइक रेट सिर्फ आक्रामकता नहीं, मैच पर नियंत्रण का संकेत है।

यह बताता है कि बल्लेबाज सिर्फ टिक नहीं रहा, बल्कि खेल की दिशा तय कर रहा है। इशान ने पावरप्ले में जोखिम उठाया, गेंदबाजों को लंबाई बदलने पर मजबूर किया और मध्यक्रम को खुलकर खेलने का मंच दिया। यह भूमिका आधुनिक टी20 में अत्यंत मूल्यवान है।

चयन की दुविधा- निरंतरता बनाम प्रयोग: भारतीय टीम में प्रतिस्पर्धा असाधारण है। हर स्थान के लिए कई दावेदार हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं को भविष्य, फिटनेस, टीम संतुलन और रणनीतिक लचीलापन- सब पर एक साथ नजर रखनी पड़ती है।

संभव है कि 2023 के बाद टीम मैनेजमेंट किसी ऐसे सलामी संयोजन पर काम कर रहा हो जो अलग प्रकार का संतुलन देता हो। यह भी संभव है कि इशान को बैकअप विकल्प के रूप में देखा गया हो।

हालांकि, यहां एक व्यापक मुद्दा यह है कि क्या हर खिलाड़ी को 'लंबे समय से मौके' मिलते हैं? इतिहास गवाह है कि कुछ नाम लगातार औसत प्रदर्शन के बावजूद मौके पाते रहते हैं, जबकि कुछ को छोटी चूक महंगी पड़ जाती है। यह असंतुलन ही बहस की जड़ है। इस प्रश्न का सीधा उत्तर देना आसान नहीं। चयन हमेशा उस समय की जरूरतों और उपलब्ध विकल्पों पर आधारित होता है। साल 2023 में टीम शायद अलग संतुलन चाहती थी। हालांकि, 2026 के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि इशान किशन जैसे प्रोफाइल का बल्लेबाज टी20 रणनीति में निर्णायक साबित हो सकता है। अगर वही आक्रामकता 2024 या 2025 में टीम के पास होती, तो क्या कुछ करीबी मुकाबलों का परिणाम अलग हो सकता था? यह एक काल्पनिक सवाल है, लेकिन तर्कसंगत है।

खिलाड़ियों के लिए चयन सिर्फ अवसर नहीं, संदेश भी होता है। जब किसी को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता है तो यह संकेत जाता है कि उसकी भूमिका स्पष्ट नहीं है। इशान किशन की वापसी और उसके बाद का प्रदर्शन 'प्रमाण' है कि प्रतिभा को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

हालांकि, यह भी सच है कि हर खिलाड़ी वापसी पर इतनी मजबूती से नहीं लौट पाता, इसलिए यह मामला सिर्फ एक बल्लेबाज का नहीं, बल्कि चयन प्रणाली के दृष्टिकोण का भी है। क्या टीम मैनेजमेंट युवा खिलाड़ियों को असफलता के बाद दोबारा उठने का पर्याप्त समय देता है?

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में प्रशंसक इसे अन्याय मान रहे हैं। उनके अनुसार, जिस खिलाड़ी ने वापसी के बाद इतनी विस्फोटक बल्लेबाजी की, उसे दो साल तक बाहर रखना गलत था। हालांकि, चयन कक्ष में फैसले भावनाओं से नहीं, योजनाओं से होते हैं। वहां आंकड़ों के साथ-साथ फिटनेस रिपोर्ट, ड्रेसिंग रूम समीकरण, आगामी टूर्नामेंट की रणनीति के साथ-साथ व्यवहार भी मायने रखता है। फिर भी पारदर्शिता की कमी हमेशा संदेह को जन्म देता है। जब चयन के कारण सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं होते, तो अटकलें स्वाभाविक हैं।

आगे का रास्ता खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं की अब असली परीक्षा निरंतरता की है। क्या इशान किशन को लगातार मौके मिलेंगे? क्या टीम उन्हें स्पष्ट भूमिका देगी, ताकि वह बिना असमंजस के खेल सकें? टी20 क्रिकेट में आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैच की धुरी बन सकता है। अगर इशान किशन इसी लय को बरकरार रखते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। निष्कर्ष-इशान किशन का मामला 'सही या गलत' का सरल समीकरण नहीं है। साल 2023 का फैसला उस समय की रणनीति का हिस्सा रहा होगा, लेकिन 2026 का प्रदर्शन यह साबित करता है कि प्रतिभा को समय पर अवसर मिलना कितना महत्वपूर्ण है।यह कहानी भारतीय क्रिकेट में चयन की संवेदनशीलता, प्रतिस्पर्धा की तीव्रता और धैर्य की आवश्यकता तीनों को सामने लाती है। अंततः सवाल यही है- क्या दो साल का इंतजार आवश्यक था या यह वह अवधि थी जिसमें भारतीय टीम एक संभावित मैच-विजेता की सेवाओं से वंचित रही? जवाब समय देगा, लेकिन बहस अभी खत्म नहीं हुई है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

(संतोष कुमार पाठक)

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है। दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिर भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अमेरिका-चीन की तुलना में ज्यादा समावेशी हैं?

भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से मुख्य रूप से समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित दृष्टिकोण से भिन्न हैं। जहां अमेरिका और चीन दिव्य भास्कर को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है। भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां दुनिया के अन्य देशों यानी अमेरिका-चीन-यूरोप की तुलना में ज्यादा समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित हैं।

(कमलेश पांडे)

भारत का दृष्टिकोण सर्वथा भिन्न और लोककल्याणकारी है। जहां अमेरिका और चीन एआई को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है।

यही वजह है कि भारत बनाम अन्य देश की विशेषताओं के दृष्टिगत पारस्परिक होड़ जारी है, खासकर भारत, अमेरिका, चीन व यूरोप के बीच। क्योंकि भारत का फोकस किसान, छात्र, स्टार्टअप्स के लिए भाषिणी, किसान ई-मित्र जैसे क्षेत्रीय अनुप्रयोग हैं, जबकि अमेरिका, चीन व यूरोप में बड़े टेक दिग्गजों का वर्चस्व है जो सख्त जोखिम नियमन से परेशान दिखाई देते हैं।

यही वजह है कि नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रस्तावित एआई लोकतंत्रीकरण के लिए नीतिगत सिफारिशें मुख्य स्थान रखती हैं, क्योंकि ये सिफारिशें प्रमुख रूप से सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती और सुलभ बनाने पर केंद्रित होंगी। ऐसा इसलिए कि ये सिफारिशें ग्लोबल साउथ के देशों के लिए ओपन-सोर्स मॉडल्स, कम लागत वाली कंप्यूटिंग और कौशल विकास को बढ़ावा देंगी। पहला, एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण- डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) द्वारा एपीआई-आधारित सस्ते एआई मॉडल्स (जैसे एलएलएएमए) को उपलब्ध कराना, ताकि स्टार्टअप्स, किसान और छात्र लाभान्वित हों। दूसरा, जोखिम-आधारित शासन- इंडिया एआई गवर्नेंस दिशानिर्देशों के अनुरूप उच्च-जोखिम एआई के लिए सुरक्षा उपाय, मौजूदा कानूनों (आईटी अधिनियम, डीपीडीपी) पर आधारित बिना नए नियामक निकाय। तीसरा, समावेशी इकोसिस्टम- भाषिणी जैसे प्लेटफॉर्म्स से क्षेत्रीय भाषाओं में एआई कंटेंट, टियर-2/3 शहरों में नवाचार को प्रोत्साहन। जहां तक इनके अपेक्षित प्रभाव की बात है तो ये सिफारिशें एआई एकाधिकार को तोड़कर भारत को ह्यूमन-सेंट्रिक एआई मॉडल के रूप में स्थापित करते हुए रोजगार सृजन और सतत विकास सुनिश्चित करेंगी। समिट के चक्रों से निकलने वाली ये प्रतिबद्धताएं वैश्विक मानक बनेंगी। स एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से कैसे भिन्न हैं? समझिए भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से मुख्य रूप से समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित दृष्टिकोण से भिन्न हैं। जहां अमेरिका और चीन-द्व को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एपीआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है। यही वजह है कि भारत बनाम अन्य देश की विशेषताओं के दृष्टिगत पारस्परिक होड़ जारी है, खासकर भारत, अमेरिका, चीन व यूरोप के बीच। क्योंकि भारत का फोकस किसान, छात्र, स्टार्टअप्स के लिए भाषिणी, किसान ई-मित्र जैसे क्षेत्रीय अनुप्रयोग हैं, जबकि अमेरिका,

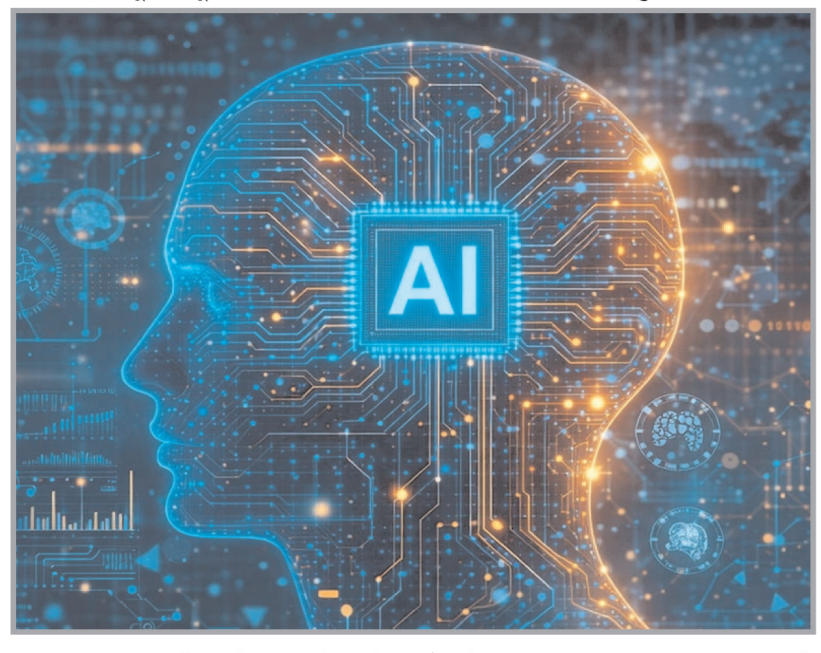

बिना नए नियामक के, अमेरिका, यूरोप, चीन में बाजार-प्रेरित, न्यूनतम हस्तक्षेप होते रहने से कठोर अनुपालन और स्वतंत्र ऑडिट की राह में मुश्किल आती हैं।वहीं पहुंच के मद्देनजर भारत सरकारी क्लाउड (मेघराज), 10,000 करोड़ मिशन से किफायती कंप्यूटिंग लगेगी। जबकि अमेरिका, चीन, यूरोप में निजी क्लाउड, उच्च लागत होने से नियामक अनुपालन पर जोर दिया जाता है।जहां तक प्रमुख भिन्नताएं की बात हैं तो भारत का मॉडल विविध भाषाओं (भाषिणी) और टियर-2/3 शहरों पर केंद्रित है, जो विकासशील देशों की जरूरतों को प्राथमिकता देता है, जबकि पश्चिमी नीतियां गोपनीयता और सुरक्षा पर अधिक सख्त हैं। यह दृष्टिकोण एआई को सभी के लिए बनाता है, न कि चुनिंदा एलिट के लिए। एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन में कई महत्वपूर्ण चुनौतियां हालांकि एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन में कई महत्वपूर्ण चुनौतियां भी हैं, जो मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे, नैतिकता और संसाधनों से जुड़ी हैं। ये चुनौतियां भारत जैसे विकासशील देशों में अधिक गंभीर हैं, जहां ग्रामीण-शहरी विभाजन और डिजिटल असमानता बाधक हैं। कतिपय प्रमुख चुनौतियां निम्नवत हैं-

पहला, डेटा गोपनीयता और सुरक्षा- बड़े पैमाने पर द्व तैनाती में नागरिक डेटा की रक्षा करना कठिन है, खासकर डीपीडीपी अधिनियम के बावजूद सख्त प्रवर्तन की कमी से।

दूसरा, पक्षपात और निष्पक्षता- एआई मॉडल यदि विविध डेटा पर प्रशिक्षित न हों, तो सामाजिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकते हैं, जो समावेशिता के लक्ष्य को कमजोर करता है।

तीसरा, अवसंरचना अंतराल- उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट, जीपीयू-आधारित कंप्यूटिंग और ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की कमी; मेघराज जैसे प्रयास पर्याप्त नहीं।

चतुर्थ, अन्य बाधाएं- वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उन्नत देशों (यूएस-चीन) के मॉडलों से पिछड़ना, साथ ही नीतिगत समन्वय की कमी। पारदर्शिता का अभाव और जन जागरूकता की कमी कार्यान्वयन को धीमा करती है। कुल मिलाकर, ये चुनौतियां समावेशी एआई को सीमित कर सकती हैं यदि बहुआयामी समाधान न अपनाए जाएं। एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत बहुआयामी रणनीतियां अपना रहा है, जो बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और नीतिगत समन्वय पर केंद्रित हैं।

पहला, एआई रणनीतियां- हमारी रणनीतियां इंडियाद्व मिशन और समिट के चक्रों से प्रेरित हैं, जो समावेशी विकास सुनिश्चित करती हैं।

दूसरा, बुनियादी ढांचा मजबूती मिशन- इसके तहत भारत

मेघराज क्लाउड और ऐरावत जैसे सरकारी क्लाउड पर जीपीयू-आधारित कंप्यूटिंग का विस्तार कर रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती एआई पहुंच हो।

तीसरा, डेटा सेंटर विस्तार- 10,000 करोड़ के मिशन से उच्च-गुणवत्ता डेटासेट और स्टोरेज क्षमता बढ़ाना।

चतुर्थ, नैतिकता और पक्षपात समाधान- जोखिम-आधारित गवर्नेंस- आईटी अधिनियम औरडीपीडीपी के तहत ऑडिट तंत्र, विविध डेटा पर एआई प्रशिक्षण अनिवार्य।

पंचम, भाषिणी प्लेटफॉर्म- 22 भारतीय भाषाओं में एआई कंटेंट जनरेशन से सांस्कृतिक पक्षपात कम करना।

षष्टम, कौशल और जागरूकता विकास एआई कौशल कार्यक्रम- टियर-2/3 शहरों में प्रशिक्षण केंद्र, स्टार्टअप्स के लिए सब्सिडी। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषकहै)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दंडकारण्य महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव बना यादगार

विधायक ने स्टेडियम और हॉस्टल निर्माण का किया ऐलान

केशकाल। शासकीय दंडकारण्य महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और छात्र-छात्राओं की आकर्षक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर उत्सव के माहौल में सराबोर रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए। वार्षिकोत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने कबाड़ी नृत्य सहित 25 से अधिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। पारंपरिक और आधुनिक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि कॉलेज जीवन विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सुनहरा समय होता है। उन्होंने घोषणा करते हुए बताया कि महाविद्यालय में शीघ्र ही शेड निर्माण कराया जाएगा तथा लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। साथ ही दूरदराज से पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए शिक्षा के माध्यम से उज्जवल भविष्य गढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आकाश मेहता, जनभागीदारी अध्यक्ष एवं पार्षद भूपेश चंद्राकर, पार्षद सुदर्शन कुंजाम, पार्षद हीरा लक्ष्मी शाह, महाविद्यालय प्राचार्य एच.डी. सोनवानी सहित वीरेंद्र बघेल, नीरज अग्निहोत्री, मनीष राठी, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक लता उसेंडी के अथक प्रयास से कोंडागांव को मिली बड़ी सौगात

ग्राम बनजुगानी में बनेगा घोटुल-जनजातीय युवा हेतु सांस्कृतिक केंद्र

जनजातीय मंत्रालय से मिली 5 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली

कोंडागांव । कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बनजुगानी में घोटुल एवं जनजातीय युवा के लिए सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना हेतु जनजातीय मंत्रालय से 5 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है, जो जिले के लिए बड़ी सौगात है। इस स्वीकृति के लिए बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय जनजातीय मंत्री जुअल ओराम, प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जनजातीय मंत्री श्री राम विचार नेताम का हार्दिक आभार व्यक्त किया। विधायक लता उसेंडी ने जिलेवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह स्वीकृति कोंडागांव जिले के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो बस्तर के युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में मदद करेगा। घोटुल-सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना से स्थानीय युवाओं को अपनी संस्कृति को जानने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रचारित किया जा सकेगा।

कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम कुरकुंज में आईईडी बरामद

कांकेर। सुन्दरराज पी.(भापुसे) पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर के मार्ग दर्शन निखिल कुमार राखेचा (भापुसे) पुलिस अधीक्षक कांकेर, टी.मोहन प्रभारी उप महानिरीक्षक बीएसएफ सेक्टर भानुप्रतापपुर, रणधीर सिंह गिल सेनानी 40 वी वाहिनी बीएसएफ कोयलीबेड़ा के निर्देशन में जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों के विरूद्ध लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। डीआरजी/बीएसएफ की संयुक्त टीम थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में 21 फरवरी को ग्राम कुरकुंज जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से 01 नग प्रेशर कुकर ढूश्बष्ठ लगभग 05-07 कि0 ग्रा0 बरामद किया गया। बीएसएफ की क्बष्ठस्-टीम द्वारा मौके पर ढूश्बष्ठ को डिफ्यूज कर नष्ट किया गया। थाना कोयलीबेड़ा में वैधानिक कार्यवाही कि जा रही है।

दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को किया गया प्रशिक्षित

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार समावेशी शिक्षा अंतर्गत शालाओं में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन बी.आर.सी. भवन कांकेर में किया गया। उक्त कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स दीपक सोनवानी एवं सरोज पाण्डेय द्वारा दिव्यांग बच्चों के पालक एवं अभिभावकों को समावेशी शिक्षा के महत्व और दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें संवेदनशील बनाने और उनका मार्गदर्शन करने, पाठ्य म अनुकूलन, कक्षा रणनीतियों, सहायक उपकरणों के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन आसानी से करना व दिव्यांग बच्चों के बीच संवेदनशीलता का विकास करना था, जिससे पालक दिव्यांग बच्चों के भावनाओं और आवश्यकताओं को समझ सकें तथा दिव्यांग बच्चों को होने वाली समस्याओं का आसानी से समाधान कर सकें। प्रशिक्षण कार्य म में विकासखण्ड कांकेर, चारामा, नरहरपुर के शालाओं में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के पालक/अभिभावक शामिल थे।

सामान्य सभा की बैठक 27 फरवरी को

कांकेर। जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक अध्यक्ष किरण नरेटी की अध्यक्षता में 27 फरवरी को पूर्वान्ह 12 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक में सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को एजेण्डावार अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है।

11 से 7 वर्ष पुराने स्थायी 4 वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कांकेर। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अपराध मुक्त समाज अभियान के तहत 04 स्थायी गिरफ्तारी वारण्टी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। थाना चारामा के अपराध क्रमांक 155/2014 धारा 4,6,10,11 कृषि पशु परि.अधिनियम एवं अपराध क्रमांक 195/2018 धारा 304 (ए) भादवि के प्रकरण में आरोपीयों के विरूद्ध अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था।

अभियुक्तों के द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्टेट न्यायालय कांकेर में नियत तारीख को समय पर उपस्थित नही हो रहे थे, जिस पर आरोपीयों के विरूद्ध विगत 11-7 वर्ष पूर्व स्थायी गिरफ्तारी वारण्टी जारी किया गया था। उक्त वारण्टी का पता तलाश किया जा रहा था। उक्त स्थायी वारण्टीयों को दिनांक 20 फरवरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कांकेर में पेश किया गया ।जिन्हे माननीय न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। स्थायी गिरफ्तार वारण्टी के मृत्यु होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर न्यायालय पेश किया गया ।

कोंडागांव जिले के 96 गांव बस सेवा से जुड़े

कोण्डागांव। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत जिले में सोमवार को जिला कार्यालय परिसर से नगरपालिका के अध्यक्ष नरपति पटेल और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने तीन बसों को हरी झंडी दिखाया। इस तरह से वर्तमान में अब जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत सात बसों का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत आमजन, किसान, मजदूर, छोटे व्यवसायी तथा छात्र-छात्राओं को जनपद एवं जिला मुख्यालय तक सुगम, नियमित एवं सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। पूर्व में जिले में कोंडागांव, मर्दापाल, बहीगांव, विश्रामपुरी, कोंडागांव, कमेला एवं छत्तोड़ी, कोंडागांव मार्ग पर बस सेवा प्रारंभ की जा चुकी है। अब 23 फरवरी से तीन नवीन मार्ग कोनगुड़, फरसगांव, भैंसाबेड़ा, केशकाल तथा कनपुर, कोंडागांव पर भी संचालन प्रारंभ किया गया। इस प्रकार कुल सात बसों के माध्यम से जिले के 96 गांवों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण अधोसंरचना और जन सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनका स्पष्ट विजन है कि दूरस्थ अंचलों में रहने वाले नागरिकों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक सेवाओं तक समान रूप से पहुंच मिले। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना इसी सोच का परिणाम है, जो ग्रामीण जीवन को सुगम बनाने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर जितेन्द्र सुराना एवं विभागीय अधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मार्गवार लाभान्वित गांवों का विवरण - कोंडागांव से मर्दापाल मार्ग (22 गांव), कुम्हारपारा, जोधरापदर, उमरगांव, बुनागांव, कोकोड़ी, गंगामुंडा, छेरीबेडा, भातापाल, भुखल, चिमडी, चलकाएटेमरू, मुंगवाल, बयानार, आदनार, चेमा, घोटूल, मलनार, लखापुरी, नवागाँव, रानापाल सहित कुल 22 गांव इस मार्ग से जुड़ेंगे।

बहीगांव से विश्रामपुरी मार्ग (12 गांव) - ओरकीवाही, पीपरा, मांडोकीखरगाँव, मुण्डापारा, छोटे-राजपुर, बड़े-राजपुर, टेवसा, रामपुर, कोरगांव, विश्रामपुरी सहित 12 गांवों को नियमित बस सुविधा प्राप्त होगी।

कोंडागांव से कमेला मार्ग (6 गांव) - कोकोड़ी, कंजरी, शंकर नगर, बकोदागंडा, बड़ेकनेरा सहित 6 गांव इस मार्ग से लाभान्वित होंगे।

छत्तोड़ी से कोंडागांव मार्ग (17 गांव)- किरमारी, नेवरा, क्षमतापुर, बड़ेसोहंगा, बड़ागाँव, हिरलाभाठ, बीजापुर, अमरावती, मालेगांव, बुटरापारा, चिपावंड, मुलमुला, पीकरभाटा, नेवता, बफना, पलारी सहित 17 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

कोनगुड़ से फरसगांव मार्ग (11 गांव) - कोनगुड़, बारदा, उरंदाबेडा , नेट, कोटपाड़, गोडमा, बड़ेडोंगर, बेलभाटा, आलोर, बैलगांव, फरसगांव इस सेवा से जुड़ेंगे।

भैंसाबेड़ा से केशकाल मार्ग (18 गांव) - भैंसाबेड़ा, अर्रा, कोरनहुर, सावलवाही, धुरेगांव, कावागांव, ईरागांव, तोडासी, कर्रारमेटा, बनियागांव, सवाला, बेलगांव, धनौरा, डुमरपदर, अरंडी, तेंदूभाठा, बेंडमा, केशकाल सहित 18 गांवों को लाभ मिलेगा।

कनपुर से कोंडागांव मार्ग (10 गांव)- कनपुर, मोहलाई, मुनगापदर, बोटीकनेरा, सोनाबाल, नगरी, मड़ानार, बम्हनी, संबलपुर, जामपदर, कोंडागांव इस मार्ग से जुड़ेंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका को मिलेगी मजबूती - मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में एक व्यापक पहल है। इससे सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और दूरस्थ अंचल विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। इस योजना के लागू होने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु जिला मुख्यालय तक पहुंचने में सुविधा होगी।

मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचने का अवसर मिलेगा। किसान एवं छोटे व्यापारी अपने उत्पादों को बाजार तक आसानी से ले जा सकेंगे। महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए भी सुरक्षित एवं नियमित परिवहन उपलब्ध होगा। सात बसों के संचालन से 96 गांवों में रहने वाली हजारों आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे कोंडागांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में नई रफ्तार और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

नारायणपुर पुलिस ने 'आदनार' में खोली 2026 की पांचवी कैम्प

नारायणपुर । शांतिपूर्ण एवं समृद्ध नारायणपुर के लक्ष्य आधारित नक्सलमुक्त अबूझमाड की दिशा में अंतिम कील ठोंकती माड़ बचाव अभियान के अन्तर्गत थाना सोनपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम आदनार में नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप। दशकों से अलग थलग और अछूते अबूझमाड़ के इस क्षेत्र को मिलेगा मुख्य धारा का संपर्क। नारायणपुर पुलिस, डीआरजी और बस्तर फॉईटर एवं बीएसएफ के 129वीं वाहिनी और 133वीं वाहिनी ने खोला आदनार में जन सुविधा एवं सुरक्षा कैम्प। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने हेतु क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी ''माड़ बचाओ'' अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सोनपुर के ग्राम आदनार क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों एवं कांदुलनार - कोरसकोड़ो - हच्चेकोटी - आदनार एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यों में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से 23 फरवरी को नारायणपुर पुलिस ने घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल ग्राम आदनार में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। ग्राम आदनार में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। नवीन कैम्प आदनार थाना सोनपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थित है तथा जिला मुख्यालय नारायणपुर से 76 किलोमीटर थाना सोनपुर से 46 किलोमीटर, कांदुलनार से 17 किलोमीटर, कुरसकोड़ो से 11 किलोमीटर और कैम्प हच्चेकोटी से 06 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आदनार में नवीन कैम्प स्थापित होने से आसपास के क्षेत्र कुमुदगुण्डा, वरकोर, देवरकोर, एलूर, ताडोगुण्डा, आमाकाल और आदनार में सड़क, पुल-पुलिया, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाईल नेटवर्क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र लच्छू सोरी और संतु नाग राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए अंबागढ़ चौकी रवाना

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के प्रतिभाशाली छात्र लच्छू और संतु नाग का चयन राज्य स्तरीय खो खो पुरुष प्रतियोगिता के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर बस्तर सेक्टर खो खो पुरुष दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। छात्र लच्छू और संतु का यह चयन 11 से 12 फरवरी 2026 को शासकीय शहीद गेंद सिंग महाविद्यालय चारामा में आयोजित सेक्टर स्तरीय खो खो पुरुष प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ। उक्त प्रतियोगिता में उत्तर बस्तर सेक्टर के सभी महाविद्यालयों से दलों ने सहभागिता किया था। राज्य स्तरीय खो खो पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23 से 25 फरवरी 2026 तक शासकीय लाल चक्रधर शाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य की 11 सेक्टर की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता से पूर्व चयनित खिलाड़ियों के लिए शासकीय लाल चक्रधर शाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी में 20 से 22 फरवरी 2026 तक विशेष प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया है।

महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के कुशल मार्गदर्शन से महाविद्यालय में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग में शामिल विभिन्न खेलों का नियमित एवं व्यवस्थित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत अभ्यास एवं परिश्रम का परिणाम है कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र लच्छू और संतु के इस गौरवपूर्ण चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

बटालियन में तृतीय बैच का संक्षिप्त पीआई प्रशिक्षण का शुभारंभ

कोंटा। सीआरपीएफ 219वीं बटालियन मुख्यालय इंजराम में दो सप्ताह के संक्षिप्त पी.आई. प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नव नियुक्त जवानों को बल की कार्यप्रणाली, अनुशासन, आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों तथा क्षेत्रीय चुनौतियों के प्रति पूर्णतः सक्षम बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेश पांडे, डीआईजी (पी), कोंटा रेंज, सीआरपीएफ एवं पार्थ सारथी घोष, कमांडेंट 219वीं बटालियन की उपस्थिति में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण जवानों के शारीरिक, मानसिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उन्हें विषम परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने हेतु तैयार करेगा। इस तृतीय बैच में कोंटा रेंज की विभिन्न बटालियनों से कुल 239 कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान आईईडी की पहचान एवं रोकथाम, हथियार संचालन, मानचित्र अध्ययन, जंगल क्षेत्रों में सामरिक मूवमेंट, विभिन्न केस स्टडी, एफओबी की स्थापना तथा एसओजेड से संबंधित परिचयात्मक जानकारी सहित महत्वपूर्ण सामरिक कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आपसी समन्वय पर विशेष बल दिया जाएगा। समारोह में परमजीत कुमार, कमांडेंट 50वीं बटालियन, विजय शंकर, कमांडेंट 217वीं बटालियन, 219वीं बटालियन के वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

होटल व्यवसायी का लाखों रुपए हड़पकर कर्मचारी फरार

बिलासपुर। तारबाहर क्षेत्र में रहने वाली होटल व्यवसायी के साथ 2 लाख का फ्राड हो गया है। उनके साथ यह फ्रॉड उनके ही एक पुराने कर्मचारी ने किया है। कर्मचारी ने शेयर मार्केट से डबल मुनाफे का झांसा दिया है और पैसे हड़पकर फरार हो गया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। तारबाहर क्षेत्र में रहने वाली होटल व्यवसायी महिला अंजना प्रांसिस ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि, गोविंद कुमार जो रायपुर के फाफाडीह का निवासी था। वह पिछले कुछ महीनों से उनके होटल में काम करते हुए वहीं रह भी रहा था। इस दौरान उसने अपने काम से विश्वास जीतने का प्रयास किया और महिला से शेयर मार्केट में पैसा लगाने का प्रस्ताव दिया, जिसमें वह उसे डबल मुनाफा देने का वादा करता था। अंजना ने बताया कि गोविंद कुमार ने उन्हें धोखाधड़ी करके 17 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक चार किस्तों में कुल 2 लाख रुपये नगद ले लिए थे। इसके बाद, गोविंद अचानक 10 सितंबर 2025 को रात 3 बजे अपना सामान लेकर घर से फरार हो गया। जब अंजना ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने फोन नहीं उठाया और कॉल का जवाब नहीं दिया। पुलिस ने अंजना की शिकायत पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर में युवक ने खुद को लगाई आग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के कतियापारा इलाके में एक युवक द्वारा आत्महत्या की कोशिश किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद घायल युवक को तत्काल सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल की पहचान अभय पांडेय के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था। पारिवारिक विवाद को इस घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी पिछले दो महीनों से उससे अलग रह रही थी। इसके अलावा, युवक के शराब के नशे में अक्सर विवाद करने की बात भी सामने आई है। यह भी जानकारी मिली है कि वह पिछले एक महीने से काम पर नहीं जा रहा था और घटना के समय भी उसके नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के कारणों की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

बीमार नहीं, तीर का शिकार था भालू: कानन पेंडारी में पोस्टमार्टम से खुलासा

बिलासपुर। खड़गवां-मनेंद्रगढ़ क्षेत्र से रेस्क्यू कर इलाज के लिए लाए गए भालू की मौत को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। प्रारंभ में जिसे बीमार समझा जा रहा था, वह दरअसल तीर से घायल था और उसी वजह से उसकी जान गई। जानकारी के अनुसार, भालू पिछले कुछ दिनों से गांव के आसपास घूम रहा था और बेहद कमजोर व सुस्त नजर आ रहा था। ग्रामीणों ने इसे बीमारी समझते हुए वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची वन और पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे काबू में लिया और प्राथमिक उपचार भी किया। उसे ग्लूकोज चढ़ाया गया, जिससे कुछ समय के लिए उसकी हालत में सुधार भी देखा गया। हालांकि बाद में उसकी स्थिति अचानक बिगड़ने लगी। गंभीर हालत को देखते हुए उसे बिलासपुर स्थित कानन पेंडारी जू लाया गया, जहां देर रात डॉक्टर पी.के. चंदन ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अगले दिन किए गए पोस्टमार्टम में असली कारण सामने आया। जांच में पता चला कि भालू की पीठ पर गहरा घाव था और एक तीर उसकी पीठ से होते हुए लीवर तक जा पहुंचा था, जिससे उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार, जंगलों में लगातार कटाई और संसाधनों की कमी के चलते जंगली जानवर गांवों की ओर आ रहे हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और शिकार करने वालों की तलाश की जा रही है।

जशपुर की अमराई में आई बौरों की बहार

जशपुरनगर। जशपुर जिले की अमराइयों में इन दिनों बौरों की खुशबू महक रही है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस वर्ष आम के पेड़ों पर मंजरियाँ अधिक सघन, स्वस्थ और भरपूर दिखाई दे रही हैं। दशहरी, लंगड़ा, चौसा और आम्रपाली जैसी प्रमुख प्रजातियों के वृक्ष सफेद-पीले फूलों से पूरी तरह आच्छादित हो चुके हैं, जिससे किसानों में रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद जगी है। जिले में वर्तमान में लगभग 5 हजार 410 हेक्टेयर क्षेत्र में आम की खेती की जा रही है। इस वर्ष अनुकूल मौसम और बेहतर मंजरियों के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना व्यक्त की जा रही है। सहायक संचालक उद्यान करण सोनकर ने बताया कि यदि किसान तकनीकी प्रबंधन के उपायों को समय पर अपनाएं।

कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक सम्पन्न

जनगणना की तैयारी और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज आयोजित टीएल बैठक में जिले में आगामी गर्मी के मद्देनज़र पेयजल व्यवस्था, प्रस्तावित जनगणना की तैयारियों, जल संरक्षण कार्यों, न्यायालयीन प्रकरणों तथा शिकायत निवारण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित पेयजल संकट वाले ग्रामों की अग्रिम पहचान की जाए। गत वर्ष जिन क्षेत्रों में जल समस्या उत्पन्न हुई थी, उन्हें विशेष निगरानी में रखा जाए। आवश्यकतानुसार टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, किन्तु टैंकर से सीधे वितरण न करते हुए सार्वजनिक स्थलों पर सिम्प्लेक्स टैंक स्थापित कर उन्हें नियमित रूप से भरा जाए, जिससे लोग सुव्यवस्थित रूप से पानी प्राप्त कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में 15वें वित्त आयोग की उपलब्ध राशि का उपयोग पेयजल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आगामी मई माह में प्रस्तावित जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना का कार्य पूर्णतः शुद्ध, त्रुटिरहित

एवं गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, क्योंकि यह नीति निर्माण एवं विकास योजनाओं का आधार है। उन्होंने नागरिकों से सही एवं सटीक जानकारी दर्ज कराने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के शिक्षकों को मुख्य रूप से प्रगणक एवं सुपरवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह कार्य निर्वाचन की भांति अनिवार्य है,जिसे न स्थगित किया जा सकता है और न ही टाला जा सकता है। कलेक्टर ने जी रामजी योजना के अंतर्गत जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्ताव तत्काल तैयार कर स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि ग्रीष्मकाल में कार्य प्रारंभ किए जा सकें। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों में तालाबों की मिट्टी का उपयोग करने को कहा ताकि तालाब गहरा हो जाए और जल ग्रहण क्षमता बढ़े। उन्होंने साथ ही विद्यालयों में निर्माणाधीन शौचालयों को 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। शासकीय सामग्री की खरीदी में भंडार क्रय नियमों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रतिबंधित वस्तुओं की खरीदी न किए जाने पर विशेष बल दिया गया। विधानसभा सत्र प्रारंभ होने के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर ने कहा कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक, सटीक एवं समयबद्ध रूप से प्रस्तुत किए जाएं। हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों एवं जनहित याचिकाओं का जवाब दावा समयसीमा में प्रस्तुत करने तथा माननीय न्यायालय के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी अधिकारी-कर्मचारियों को आईगॉट प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गोपनीय चरित्रावली लेखन के दौरान इसे भी ध्यान में रखा जाएगा। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीएम पोर्टल एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर दिया। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

25 लाख की सुपारी का खुलासा बेलतरा में सियासत गरम:अंकित

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने विकास के नाम पर वोट दिया था, लेकिन आज क्षेत्र की पहचान कुछ नेताओं की वजह से दागदार हो रही है। जब क्षेत्रीय विधायक और पदाधिकारी ही गंभीर आरोपों में घिर जाएं, तो सवाल सिर्फ व्यक्ति पर नहीं पूरी राजनीतिक संस्कृति पर उठता है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में यह बेहद गंभीर मामला है कि भारतीय जनता पार्टी के बेलतरा पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजू सोनकर का नाम एक गंभीर आपराधिक प्रकरण में सामने आया है जो बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के करीबी माने जाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकिशोर नगर वसंत विहार स्थित एक ज्वेलर्स संचालक पर हुए प्राणघातक हमले और लूटकांड की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बिलासा गुड़ी में पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी दी कि गिरोह केवल लूट और चोरी ही नहीं, बल्कि शहर के चर्चित सब्जी कारोबारी एवं नगर निगम के भाजपा पार्षद बंधु मौर्य की कथित सुपारी किलिंग की साजिश में भी शामिल था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 25 लाख रुपये में सुपारी लेने की बात स्वीकार की है, जिसमें 6 लाख रुपये एडवांस के रूप

में लिए गए थे। इस मामले में कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपराध पर चुप्पी क्यों ? नेतृत्व जवाब क्यूं नहीं देता। बेलतरा विधानसभा में हालात गंभीर हैं। इस घटना से क्षेत्र कलंकित हुआ है। जिले में दहशत का माहौल है, व्यापारी डरे हुए हैं और जनता असमंजस में है। जब सत्ताधारी पार्टी के मंडल अध्यक्ष राजू सोनकर ने ही भाजपा के वरिष्ठ नेता की हत्या की सुपारी देने जैसी साजिश रची। ऐसी स्थिति में सवाल सीधे तौर पर बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला से है, वे अब कहां हैं ?

यज्ञभाव से दायित्व,संकल्प से संस्थान:कुलपति आचार्य वाजपेयी की पुनः कार्यारंभ प्रतिज्ञा.......

बिलासपुर । प्रशासनिक औपचारिकताओं की प्रतीक्षा के बीच दायित्वों की सतत साधना का संदेश देते हुए अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में सोमवार का प्रातःकाल एक विशेष आध्यात्मिक वातावरण का साक्षी बना। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन की सुगंध और तमसो मा ज्योतिर्गमय के उदात्त भाव के साथ कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने विश्वविद्यालय परिवार के मध्य अपने कर्तव्य-पथ पर अविराम अग्रसर रहने का संकल्प दोहराया। नवीन कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया अपने विधिसम्मत चरणों में अग्रसर है। ऐसे समय में संस्थागत निरंतरता और शैक्षणिक अनुशासन अक्षुण्ण रहे—इसी भावना के साथ वर्तमान कुलपति अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। भारतीय परंपरा में कहा गया है—

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन—अर्थात कर्म ही हमारा अधिकार है, फल की चिंता नहीं। इसी कर्मयोग की भावना ने प्रशासनिक औपचारिकताओं से परे विश्वविद्यालय के संचालन को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखा है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में एक गरिमामय, संयमित और प्रेरणादायी वातावरण उपस्थित रहा। शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता ने यह संकेत दिया कि संस्था केवल भवनों से नहीं, बल्कि सामूहिक विश्वास और उत्तरदायित्व से निर्मित होती है। इस अवसर पर कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने कहा, विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, यह मूल्य, परंपरा और राष्ट्रनिर्माण का प्राण-स्थान है। जब तक दायित्व मेरे हाथों में है, मैं इसे यज्ञ मानकर निभाऊँगा। हमारी प्राथमिकता शैक्षणिक गुणवत्ता, शोधोन्मुख दृष्टि और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को और सुदृढ़ करना है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा गोंदिया जबलपुर दोहरी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति

- 5,236 करोड़ की लागत से 231 किलोमीटर रेलखंड का दोहरीकरण, क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की गोंदियाङ्कजबलपुर दोहरी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है । इस परियोजना की अनुमानित लागत ?5,236 करोड़ है तथा इसे 5 वर्षों की अवधि में पूर्ण किया जाएगा । गोंदियाङ्कजबलपुर दोहरीकरण परियोजना गोंदिया पर हावड़ाङ्कमुंबई उच्च घनत्व रेल मार्ग तथा जबलपुर

पर इटारसीङ्कवाराणसी उच्च उपयोगिता रेल मार्ग को जोड़ती है । यह प्रयागराज एवं वाराणसी से चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद की ओर सबसे छोटा रेल मार्ग उपलब्ध कराएगी, जिससे उत्तरङ्कदक्षिण रेल संपर्क को सुदृढ़ता मिलेगी । परियोजना का विवरण एवं प्रमुख विशेषताएँ रेलखंड लंबाई: 231 किलोमीटर जिले: गोंदिया (महाराष्ट्र), जबलपुर, मंडला, सिवनी एवं बालाघाट (मध्य प्रदेश) वन्यजीव संरक्षण: वन्यजीव अंडरपास एवं फेंसिंग के लिए ?450 करोड़ का प्रावधान परियोजना से होने वाले प्रमुख लाभ यात्री एवं मालगाड़ियों के संचालन में वृद्धि तथा रेल क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार प्रमुख तीर्थ स्थलों—अयोध्या धाम, वाराणसी, प्रयागराज, रामेश्वरम, मदुरै आदि—के लिए बेहतर एवं सुगम रेल संपर्क प्रमुख पर्यटन स्थलों—कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच टाइगर रिज़र्व, कचनार शिव मंदिर, गांगुलपारा बाँध, धुआंधार जलप्रपात आदि—तक आसान आवागमन विद्युत संयंत्रों, आयुध निर्माणी, खनन क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों को बेहतर रेल सुविधा अतिरिक्त माल परिवहन क्षमता: 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष पर्यावरणीय लाभ: प्रति वर्ष लगभग 16 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी, जो लगभग 63 लाख वृक्षारोपण के समतुल्य है परिवहन लागत में बचत: लगभग ?350 करोड़ प्रतिवर्ष रोज़गार सृजन: लगभग 78 लाख मानव-दिवस प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत नियोजित यह परियोजना एकीकृत योजना एवं बहुआयामी संपर्क को सुदृढ़ करेगी ।

बजट 2026-27 छत्तीसगढ़ के आधुनिक विजन का बजट : अमर अग्रवाल

- किसान, युवा, महिला और अधोसंरचना पर फोकस से बढ़ेंगे विकास और रोजगार के अवसर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 1.72 लाख करोड़ के राज्य बजट को छत्तीसगढ़ के आधुनिक विजन का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत सरकार का तीसरा बजट संकल्प थीम पर आधारित है, जिसमें किसानों, युवाओं, महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना पर विशेष जोर दिया गया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह बजट नीति, न्याय, निवेश, निर्माण और नवाचार—इन पाँच मूल स्तंभों पर आधारित है, जो राज्य के समग्र और संतुलित विकास की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए अनेक राहतकारी प्रावधान किए गए हैं। कृषि पंपों को निःशुल्क बिजली, कृषक उन्नति योजना, डेयरी एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहन जैसे कदम किसानों की आय वृद्धि में सहायक सिद्ध होंगे। किसानों के खातों में अब तक ?1.40 लाख करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने हेतु ष्टत्र ष्टश्व योजना के लिए ?33 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उड़ान योजना के अंतर्गत ह्वश्वश्वङ्ग, छ्वश्वश्व एवं ष्टक्रस्न, शिखर योजना के तहत क्रष्ट एवं ष्टत्नक्रष्ट तथा मंजिल योजना के माध्यम से बैंकिंग, स्स्ष्ट एवं रेलवे परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालयों के लिए 100 करोड़, विश्वविद्यालयों के लिए 731 करोड़ तथा एजुकेशन सिटी की स्थापना के लिए 100 करोड़ का प्रावधान युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएगा। राज्य सरकार द्वारा पाँच बड़े मिशन प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक के लिए प्रतिवर्ष 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इनमें मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन, मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन तथा मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन शामिल हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि 23 नए औद्योगिक पार्कों के लिए 250 करोड़ तथा उद्योग निवेश सब्सिडी के लिए 750 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वन विभाग में 1000 भर्तियाँ एवं बस्तर फाइटर्स के 1500 पद युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगे। रोजगार आधारित सेक्टरों के लिए 100 करोड़ का विशेष प्रावधान भी किया गया है। अधोसंरचना विकास के लिए लोक निर्माण विभाग को 9,450 करोड़, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए 4,000 करोड़, नगर निगम विकास हेतु 750 करोड़ तथा मुख्यमंत्री सड़क योजना के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

जनदर्शन में कलेक्टर अग्रवाल ने सुनीं सैकड़ों फरियादें,त्वरित निराकरण के दिए निर्देश.........

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जनदर्शन में आम नागरिकों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोग बिना किसी औपचारिकता के कलेक्टर से मिले और अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में तखतपुर विकासखंड के ग्राम चनाडोंगरी की महिला गंगोत्री बाई ने आवेदन देकर बताया कि उनकी लगभग 20 डिसमिल भूमि चार दशक पूर्व घोंघा जलाशय में डूब क्षेत्र में समा गई, किंतु आज तक मुआवजा नहीं मिला। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता को प्रकरण भेजते हुए परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर के ग्राम पत्थर्रा की सरपंच ज्योति गोस्वामी ने जर्जर हो चुके मिडिल स्कूल भवन के स्थान पर नए भवन के निर्माण की मांग रखी। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बिल्हा विकासखंड के ग्राम मदनपुर की श्रमिक महिला सरिता बाई ने मनरेगा के तहत पिछले वर्ष किए गए 15 दिनों के कार्य की लगभग 5 हजार रुपए मजदूरी बकाया होने की शिकायत की। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को मामले का परीक्षण कर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। जनदर्शन में मस्तूरी के सुकुलकारी ग्राम के रोजगार सहायक के विरुद्ध सरकारी राशि से निजी भूमि पर बोर खनन कराए जाने की शिकायत भी प्रस्तुत की गई। इस पर भी जांच के निर्देश दिए

गए। गढ़ कलेवा का संचालन करने वाली महिला समूह ने भोजन पैकेट का भुगतान लंबित होने की शिकायत की, जिस पर जिला पंचायत सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। हरदी कला के किसान मुरली प्रसाद साहू ने गरमी फसल हेतु सोसायटी द्वारा खाद उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत की। कलेक्टर ने उप पंजीयक सहकारिता को तत्काल खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मस्तूरी निवासी श्रीमती लक्ष्मीबाई, जो भूतपूर्व सैनिक की पत्नी हैं, ने बताया कि वर्ष 2021 में उनके पति के निधन के बाद उन्हें मकान निर्माण हेतु 5 डिसमिल भूमि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। कलेक्टर ने प्रकरण एसडीएम मस्तूरी को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ढेका बाईपास सड़क निर्माण से प्रभावित किसानों ने फल-सब्जियों की क्षति का आकलन कर मुआवजा दिलाने की मांग रखी। कलेक्टर ने आवेदन एसडीएम बिलासपुर को भेजते हुए जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे तथा जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल की।

फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होलाष्टक की शुरुआत

शुभ कामों पर लगेगा ब्रेक

रंगों के त्यौहार होली का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। होली से आठ दिन पहले फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होलाष्टक की शुरुआत होगी। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 24 फरवरी से होलाष्टक शुरू हो रहा है जिसका समापन 3 मार्च को होली पर होगा। सनातन धर्म में होलाष्टक के दौरान शुभ कार्यों नहीं किए जाते।

मान्यता है कि होलाष्टक के दौरान ग्रहों की स्थितियां अनुकूल नहीं होतीं जिससे कामों में बाधा आती है। इसी कारण होलाष्टक पर शुभ कार्यों पर ब्रेक लगता है। दरअसल, पंचांग के अनुसार होलाष्टक की शुरुआत फाल्गुन महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होती है। ऐसे में इस तिथि की शुरुआत 24 फरवरी से होगी, वहीं इसका समापन होलिका दहन के दिन 3 मार्च को होगा। सनातन परंपरा में होलाष्टक को अशुभ घड़ी माना गया है। कहते हैं कि इस दौरान किए गए शुभ कार्यों का प्रतिफल अच्छा नहीं होता है इसलिए होलाष्टक के दौरान शुभ काम नहीं किए जाते। इस दौरान विवाह, सगाई और नए रिश्ते की शुरुआत, गृह प्रवेश या नए घर का निर्माण कार्य, मुंडन संस्कार, नामकरण और अन्य सोलह संस्कार, नया वाहन, संपत्ति की खरीदारी और व्यापार में कोई बड़ा या नया निवेश नहीं करना चाहिए।

होलाष्टक में क्या करना शुभ

पंडितों ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार होलाष्टक के 8 दिन दान-पुण्य, ध्यान, पूजा पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। साथ ही इस समय भगवान विष्णु, शिव, राम या हनुमान जी की आराधना करना भी बेहद फलदायी माना जाता है।

यह है पौराणिक मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्याकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को विष्णु भक्ति के कारण फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तक 8 दिनों तक भीषण यातनाएं दी थीं इसलिए इन आठ दिनों को अशुभ माना जाता है।

होली के लिए वेलकम ड्रिंक

होली खुशियों और रंगों का त्योहार है। इस दिन घर पर रिश्तेदार और दोस्त इकट्ठा होते हैं और मिलकर त्योहार मनाते हैं। ऐसे में अगर मेहमानों का स्वागत ठंडे और स्वादिष्ट वेलकम ड्रिंक से किया जाए तो माहौल और भी खुशनुमा हो जाता है। ठंडाई, गुलाब शरबत, आम पन्ना जैसे पारंपरिक पेय न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि शरीर को ठंडक भी देते हैं। इसलिए होली पार्टी में खास वेलकम ड्रिंक रखना एक अच्छा और यादगार आइडिया हो सकता है।

ठंडाई :- होली का नाम आते ही सबसे पहले ठंडाई याद आती है। दूध, सूखे मेवे, सौंफ, काली मिर्च और इलायची से बनी यह पारंपरिक ड्रिंक शरीर को ठंडक देती है। आप इसमें केसर या गुलाब की पंखुड़ियां डालकर स्वाद और खुशबू बढ़ा सकते हैं।

गुलाब शरबतः- गुलाब शरबत हल्का, मीठा और बेहद फ्रेशिंग ड्रिंक है। इसे ठंडे पानी या दूध में मिलाकर परोसा जाता है। गुलाबी रंग का यह शरबत होली के रंगों से मेल खाता है और मेहमानों को तुरंत ाजगी देता है।

आम पन्नाः- कच्चे आम से बना आम पन्ना खट्टा-मीठा और ठंडक देने वाला पेय है। यह गर्मी से बचाता है और शरीर को ऊर्जा देता है, इसलिए होली के दिन इसे परोसना एक अच्छा विकल्प है।

जलजीराः- पुदीना, धनिया, जीरा और इमली से बना जलजीरा पाचन के लिए फायदेमंद होता है। होली पर भारी खाने के बाद यह ड्रिंक मेहमानों को हल्का और ताजगी से भर देता है।

फ्रूट पंचः- मिक्स फलों के रस से बना फ्रूट पंच रंग-बिरंगा और स्वादिष्ट ड्रिंक है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इसे पसंद करते हैं और यह होली पार्टी में एक मॉडर्न टच भी जोड़ता है।

किचन में डस्टबिन रखना चाहिए या नहीं?

जानिए वास्तु से जुड़े नियम

वास्तु शास्त्र में किचन को बहुत अहम स्थान बताया गया है। मान्यता है कि ये पूरे घर की ऊर्जा से जुड़ी होती है। ऐसे में यदि किचन में वास्तु के मुताबिक चीजें नहीं रखी गई हो, तो परिवार में नकारात्मकता बढ़ता है।

ऐसा करना सही है या गलत?

साथ ही इसका प्रभाव परिवार की सेहत और सुख-शांति पर भी पड़ता है। ऐसे में कुछ लोग किचन में डस्टबिन रखते हैं। चलिए जानते हैं कि ऐसा करना सही है या गलत?

किचन में ना रखें डस्टबिन

वास्तु की मानें, तो किचन में डस्टबिन रखना शुभ नहीं माना जाता। ऐसा माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां अन्नपूर्णा की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

बुरा असर

किचन में डस्टबिन रखने से धीरे-धीरे घर के माहौल, रिश्तों और मानसिक शांति पर पड़ने लगता है। हालांकि अगर मजबूरी में डस्टबिन किचन में रखना ही पड़े, तो कुछ नियमों का पालन करना जरूरी होता है।

सही दिशा

डस्टबिन रखने के लिए घर की दक्षिण दिशा या दक्षिण-पश्चिम यानी नैऋत्य कोण को सबसे सही माना गया हैष इस दिशा से नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है, इसलिए यहां डस्टबिन रखना सुरक्षित माना जाता है।

उत्तर दिशा में ना रखें

भूल से भी उत्तर दिशा में डस्टबिन नहीं रखना चाहिए वास्तु के अनुसार ऐसा करने से दरिद्रता, झगड़े और मानसिक अशांति बढ़ सकती है।

मंदिर में भी ना रखें

इसके अलावा मंदिर के नीचे या पास डस्टबिन रखना भी अशुभ माना जाता है, क्योंकि इससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर डस्टबिन रखते हैं, तो इन बातों का जरूर ध्यान रखें कि डस्टबिन हमेशा ढक्कन वाला होना चाहिए। उसे रोज खाली करें और साफ रखें, ताकि गंदगी जमा न हो। मान्यता है कि साफ-सफाई रखने से नकारात्मक ऊर्जा अपने आप कम हो जाती है और घर का माहौल हल्का बना रहता है।

कपड़े सूखाने की अब टेंशन हुई खत्म

अपनाएं ये 8 आसान उपाय

कपड़े जल्दी सूखना हमेशा एक चुनौती बन जाता है। सूरज की कमी या लगातार बारिश के कारण गीले कपड़े लंबे समय तक नमी में रहते हैं और बदबू भी पैदा कर सकते हैं। इससे रोज़मर्रा के काम, बच्चों की स्कूल यूनिफॉर्म या ऑफिस की शर्ट सूखने में देर होने से परेशानी होती है। गीले कपड़े पहनना न सिर्फ असुविधाजनक है, बल्कि कई बार शर्मिंदगी भी बढ़ा देता है। लेकिन अब टेंशन की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू टिप्स और छोटे-छोटे हैक्स अपनाकर आप बिना धूप के भी कपड़ों को तेजी से सूखा सकते हैं, जिससे आपका रूटीन भी बन जाएगा आसान और कपड़े हमेशा ताजगी से भरे रहेंगे।

सही जगह चुनना सबसे जरूरी

कपड़े सुखाने के लिए सबसे पहला कदम है सही जगह का चुनाव। हमेशा कोशिश करें कि कपड़े ऐसी जगह टांगे जाएं जहां हवा आती-जाती रहे, जैसे बालकनी, खिड़की या दरवाजे के पास। बंद कमरे में कपड़े सुखाने से नमी रहती है और बदबू का खतरा बढ़ जाता है।

पंखे की हवा से जल्दी सूखेंगे कपड़े

अगर घर में सीलिंग फैन या टेबल फैन है, तो उसका इस्तेमाल करें। गीले कपड़े हैंगर पर टांगें और सामने पंखा चलाएं। हवा लगने से नमी जल्दी उड़ जाती है। ये तरीका टी-शर्ट, दुपट्टे और बच्चों के कपड़ों के लिए काफी फायदेमंद है।

तौलिया बन सकता है आपका हथियार

गीले कपड़े को एक साफ और सूखे तौलिये में लपेटें और हल्के हाथ से दबाएं। तौलिया कपड़े की अतिरिक्त नमी सोख लेता है। इसके बाद कपड़े को हैंगर पर टांगें, और वो जल्दी सूख जाएगा।

आयरन से निकालें नमी और बदबू

अगर कपड़े थोड़े गीले हैं, तो हल्की गर्म प्रेस से काम बन जाता है। ये कपड़ों की नमी और बदबू दोनों हटा देती है। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो और ऊपर से सूती कपड़ा रखें, ताकि कपड़ा खराब न हो।

रस्सी छोड़, हैंगर अपनाएं

कपड़े अगर रस्सी पर चिपका-चिपका टंगे हों, तो सूखने में ज्यादा समय लगता है। हैंगर पर टांगने से कपड़े चारों तरफ से खुले रहते हैं और हवा सही से लगती है। हैंगर के बीच थोड़ी दूरी रखना जरूरी है।

हेयर ड्रायर भी काम आएगा

अगर जल्दी में कोई छोटा कपड़ा, मोज़े या बच्चों के कपड़े सूखाने हैं, तो हेयर ड्रायर इस्तेमाल कर सकते हैं। ड्रायर कपड़े से थोड़ी दूरी पर रखें, ताकि कपड़ा जले नहीं।

हीटर या ब्लोअर से गर्म हवा

सर्दियों में हीटर या ब्लोअर अक्सर घर में चलते रहते हैं। कपड़े हैंगर पर टांग कर उसी कमरे में रखें और हीटर चालू करें। ध्यान रखें कपड़े हीटर के बहुत पास न हों, नहीं तो जलने का डर रहता है।

वॉशिंग मशीन का ड्रायर ऑप्शन

अगर आपकी वॉशिंग मशीन में ड्रायर ऑप्शन है, तो ये सबसे आसान तरीका है। ड्रायर कपड़े की ज्यादातर नमी निकाल देता है और बाद में जल्दी सूख जाते हैं।

सुबह की ये 5 सबसे बुरी आदतें सेहत के लिए है खतरनाक

पुराने जमाने में मोबाइल या कॉफी-चाय का उतना ट्रेंड नहीं था, तब लोग सुबह 4-5 बजे उठकर व्यायाम करते थे और फिर दातुन करने के बाद नाश्ता कर लेते थे। उस जमाने के लोग आज भी स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और कई लोगों की उम्र 80 से ऊपर रहती है। लेकिन आजकल मोबाइल, चाय, कॉफी जैसी चीजों ने सेहत को खतरे में डाल दिया है और हमने इन खराब आदतों को आसानी से अपना लिया है। सुबह की कुछ ऐसी आदतें हैं, जो अगर आप अपनाते हैं, तो अपने दिल, दिमाग, सेहत को खराब कर रहे हैं। कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर का कहना है कि इन आदतों को आज से ही छोड़ना शुरू करें, चलिए इनके बारे में बताते हैं।

ब्रेकफास्ट स्किप- ज्यादातर युवा आजकल बिना नाश्ता किए ही ऑफिस भाग जाते हैं या फिर उनके नाश्ते में हेल्दी कुछ नहीं होता। चाय पी, दो बिस्किट खा लिए हो गया नाश्ता। ये नाश्ता किसी काम का नहीं है और न ही इससे आपका दिमाग एक्टिव होता है और ही सेहत को फायदा। सुबह के नाश्ते में आप पराठा, ओट्स, दलिया, स्प्राउट्स, स्मूदी वगैरह खाए-पिएं, तो अच्छा है। नाश्ता स्किप करना खराब आदत है, इससे पूरे दिन शरीर थकान से भरा रहता है और सीधा हैवी लंच करने से पेट खराब होता है।

चाय या कॉफी- सुबह उठे बेड पर ही चाय या कॉफी मिल गई, खाली पेट पीली। खाली पेट कैफीन का सेवन आपको बीमार कर सकता है। चाय या कॉफी पीने से आपका पेट खराब हो सकता है, दिमाग पर असर होता है और कैफीन ब्लड प्रेशर भी बढ़ा सकता है। चाय या कॉफी आप नाश्ता करने के बाद ही पिएं या कुछ हैवी खाते हुए पिएं।

अलार्म पर उठना- आजकल लोग एक-दो नहीं कई अलार्म खुद को जगाने के लिए लगाते हैं। अगर आप पहले अलार्म में ही चौंककर उठकर बैठ रहे हो, तो गलत है। अलार्म सुनने पर चौंककर उठने पर हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। तुरंत उठकर किसी भी काम के लिए बिल्कुल भी न बैठें बल्कि थोड़ा सा स्ट्रेचिंग करें या रूम वॉक कर लें।

मोबाइल स्क्रॉलिंग- आजकल हर किसी की आदत है, उठते ही मोबाइल चेक या स्क्रॉलिंग करना। सुबह उठते ही ब्लू लाइट वाली स्क्रीन चेक करने से आंखों की रोशनी पर बुरा असर होता है और साथ ही दिमाग पर भी। अगर आपने सुबह कोई ऐसी खबर देख ली, जो अच्छी नहीं है तो दिल भी घबरा जाता है। इसलिए सुबह उठते ही मोबाइल न छुएं।

इग्नोर वॉटर एंड सनलाइट- अगर आप सुबह उठते ही खुद को हाइड्रेट कर लेते हैं, तो शरीर को काफी फायदा होता है। इससे आपका दिल-दिमाग भी बेहतर होता है। सुबह उठकर नॉर्मल या गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और अगर आपको कही से भी धूप मिल रही है, तो 5 मिनट के लिए सनलाइट जरूर लें। ये शरीर के लिए अच्छा है और इससे विटामिन डी मिलेगा।

साड़ी-सूट के कलर और ज्वैलरी की मैचिंग को लेकर सिंपल रूल जान लें

इंडियन वियर की खूबसूरती ज्वैलरी के बगैर अधूरी लगती है, लेकिन ज्यादातर लेडीज कंफ्यूज रहती हैं कि आखिर कौन से कलर की साड़ी या सूट के साथ कौन से कलर की ज्वैलरी को मैच किया जाए। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो ये सिंपल ज्वैलरी गाइड को याद रखें। जिनकी मदद से आप बेसिक कलर और सिल्वर या गोल्ड ज्वैलरी के कॉम्बिनेशन को समझ सकेंगी।

नीले रंग के साथ पहनें सिल्वर

बेसिक नीले रंग के कलर के कपड़ों के साथ सिल्वर कलर की ज्वैलरी खूबसूरत दिखती है। नीले रंग कूल टोन का होता है और ऐसे कलर के साथ सिल्वर ज्वैलरी ज्यादा खूबसूरत लगती है। तो अगर आप डार्क ब्लू जैसे शेड के सूट या साड़ी को वियर कर रही हैं तो उसके साथ सिल्वर ज्वैलरी को पहनें।

लाल रंग के साथ बेस्ट दिखता है गोल्ड

अगर आप लाल रंग के सूट, साड़ी या फिर वेस्टर्न वियर को कैरी कर रही हैं तो साथ में गोल्ड ज्वैलरी पहनें। लाल रंग के साथ गोल्ड का कॉम्बिनेशन ऑल टाइम फेवरेट होता है।

ग्रीन कलर के साथ गोल्ड ज्वैलरी

ग्रीन कलर के शेड्स के साथ ज्यादातर गोल्ड ज्वैलरी ही फिट बैठती है। अगर किसी सूट या साड़ी में एंब्रायडरी भी होगी तो ज्यादातर वो गोल्डन कलर की ही मिलेगी।

ग्रे कलर के साथ कौन से कलर की ज्वैलरी पहनें

अगर आपने ग्रे कलर की ज्वैलरी को वियर किया है,तो इसके साथ सिल्वर ज्वैलरी का कॉम्बिनेशन परफेक्ट दिखता है। ग्रे कलर कूल टोन हैं और सिल्वर एंब्रायडरी या ज्वैलरी इस कलर के साथ पूरी तरह से फिट बैठती है।

ब्राउन कलर

ब्राउन कलर के आउटफिट के साथ ज्वैलरी का कलर नहीं मैच कर पा रही हैं तो सबसे सिंपल रूल याद रखें कि वार्म टोन कलर के साथ गोल्ड ज्वैलरी ज्यादा बेटर दिखती है। जैसे कि ब्राउन कलर के साथ गोल्ड शेड में ज्वैलरी बेस्ट दिखेगी।

पिंक कलर के साथ सिल्वर ज्वैलरी

गुलाबी रंग के शेड के साथ आमतौर पर सिल्वर ज्वैलरी फिट बैठती है। लेकिन पिंक कलर ऐसा है जिसके साथ आप व्हाइट टोन ज्वैलरी लाइक पर्ल को भी आसानी से मैच कर पहन सकती हैं।

ज्यादा भारी बैंगन हो सकता है कड़वा

सोई में स्वाद का पूरा खेल सही सामग्री चुनने से शुरू होता है। खासकर बैंगन जैसी स जी जो थोड़ी सी लापरवाही के कारण कड़वी हो सकती है। कुकिंग एक्सपर्ट ने बैंगन खरीदने को लेकर एक बेहद आसान लेकिन असरदार टिप साझा की है जो हर गृहिणी और होम कुक के काम आ सकती है।

सही बैंगन चुनने से ना सिर्फ स्वाद बेहतर होता है, बल्कि खाना पकाने में समय भी कम लगता है। चाहे आप भरवां बैंगन बना रहे हों, भर्ता या साधारण सब्जी- सही बैंगन डिश का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है। इसलिए अगली बार सब्जी मंडी या सुपरमार्केट जाते समय सिर्फ साइज देखकर बैंगन ना उठाएं। उसे हाथ में लेकर उसका वजन जांचें और इस आसान नुस्खे को अपनाकर हर बार स्वादिष्ट बैंगन की सब्जी बनाएं।

बैंगन खरीदते समय उसका वजन सबसे अहम संकेत होता है। अगर कोई बैंगन अपने आकार के मुकाबले बहुत ज्यादा भारी लगे तो समझ जाइए कि उसके अंदर बीजों की मात्रा ज्यादा है। ज्यादा बीज वाला बैंगन अक्सर पकाने पर कड़वा स्वाद देता है और उसकी बनावट भी रेशेदार हो जाती है। ऐसे बैंगन से चाहे भर्ता बनाएं या भरवां सब्जी, स्वाद बिगड़ने का खतरा रहता है।

इसके उलट, सही बैंगन वही माना जाता है जो आकार में हल्का, छिलके से चमकदार और चिकना हो। हल्के बैंगन में बीज कम होते हैं जिससे वह जल्दी गलता है और स्वाद में भी बेहतरीन होता है। बैंगन को हाथ में उठाकर महसूस करना खरीदारी का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका है।

इसके अलावा, बैंगन की डंठी पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर डंठी हरी और ताजा हो, तो यह संकेत है कि बैंगन नया और फ्रेश है। सूखी, मुरझाई या काली डंठी वाले बैंगन से बचना चाहिए। वहीं, छिलके पर झुर्रियां, कट या दाग-धब्बे भी उसकी गुणवत्ता खराब होने का संकेत देते हैं।

कान में चला जाए पानी तो निकालने का हैक

नहाते वक्त या कई बार स्वीमिंग करने के दौरान कान में पानी घुस जाता है। जिसकी वजह से काफी डिसकंफर्ट फील होता है और अक्सर लोग अलग-अलग तरीकों की मदद से निकालने की कोशिश करते हैं। जो कि पूरी तरह से गलत है। खासतौर पर कान में घुसे पानी को निकालने के लिए कॉटन स्वैब का इस्तेमाल करना तो पूरी तरह से गलत है। बिना जानकारी के खुद से किए गए प्रयास कान के पर्दों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपके कानों में इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। अगर कान में पानी चला जाए तो बगैर घबराए डॉक्टर की बताई ये 3 हैक को ट्राई करें। आसानी से पानी बाहर आ जाएगा।

कान से पानी निकालने का पहला हैक

कान में अगर नहाते वक्त पानी घुस गया है और आप उसे बाहर निकालना चाहते हैं तो कान के डॉक्टर ने बहुत ही सिंपल हैक बताया है। जिस साइड में पानी घुसा है सिर को उसी साइड झुकाएं और कान को हल्का सा खींचे। फिर हल्का-हल्का सा जंप करें। ऐसा करने से कान में घुसा पानी बड़े ही आसानी से निकल जाएगा।

दूसरा हैक

कान के ऊपर हथेली को रखें और तेजी से दबाकर छोड़े। कान के अंदर जो आवाज सुनाई देगी वो सक्शन पंप जैसी आवाज होगी और पानी आसानी से बाहर निकल जाएगा।

तीसरा हैक

और ध्यान रखे कि बच्चों के साथ ना अप्लाई करें। इसमे हेयर ड्रायर को लो हीट पर सेट करें और कान से करीब दस इंच की दूरी से चलाकर 5 सेकेंड हवा दें। फिर हटा लें। इसी तरह से दो से तीन बार प्रोसस को करें। ऐसा करने से भी कान में घुसा पानी सूख जाएगा। और ध्यान रखे कि बच्चों के साथ ना अप्लाई करें।

पद्मश्री शमशाद बेगम की मौजूदगी में गूंजा नारी शक्ति का स्वर: 'बदलाव की कड़ी है महिलाएं'

बेटे-बेटी का भेद मिटाने से ही आएगा सामाजिक परिवर्तन: प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (स्न्ष्ठक्क) का भव्य समापन हुआ। 'लैंगिक समानता के राजदूत के रूप में संकाय सदस्यों का उन्नयन' विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया।

पद्मश्री शमशाद बेगम का हुआ सम्मान- समापन समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री शमशाद बेगम रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय सम्मान किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं, लेकिन समाज में अब भी उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार होता है। उन्होंने बताया कि समाज में नारियों को सम्मान दिलाने के लिए 'महिला कमांडो' की स्थापना की गई है, जो छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में सक्रियता से जागरूकता फैला रही हैं।

घर से शुरू हो प्रयास: डॉ. श्रीवास्तव- प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने जोर देते हुए कहा कि लैंगिक समानता की शुरुआत घर से ही होनी चाहिए। यदि माता-पिता घर में ही बेटा-बेटी के अंतर को समाप्त कर दें, तो समाज में स्वतः परिवर्तन आएगा। उन्होंने माँ को परिवार की प्रथम गुरु बताते हुए समाज सुधार की महत्वपूर्ण कड़ी करार दिया।

शिक्षा है परिवर्तन का सशक्त माध्यम- कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेशमा लकिश ने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे मजबूत हथियार है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को 'जेंडर एंबेसडर' के रूप में तैयार किया गया है, ताकि वे समाज में सकारात्मक संदेश फैला सकें। कार्यक्रम में यशेश्वरी ध्रुव ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। इस अवसर पर डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अलका जैन, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रीमारानी दास, जनभागीदारी समिति के सदस्य, सहायक प्राध्यापक एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मिलिंद अमृतफले ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. सुषमा यादव द्वारा किया गया।

जिला पंचायत सीईओ ने जीपीडीपी प्लान एवं जल संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

महिला दिवस पर शॉक पिट/रिचार्ज पिट निर्माण महाअभियान चलाने के निर्देश

बेमेतरा। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में वर्ष 2026-27 हेतु तैयार किए जा रहे जीपीडीपी प्लान की ऑनलाइन एंट्री, भौतिक प्रगति, वित्तीय प्रगति तथा प्राथमिकता वाले कार्यों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। सीईओ ने निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतें शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समय-सीमा में जीपीडीपी पोर्टल पर योजनाओं की शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना निर्माण में ग्राम सभा की सहभागिता, महिला समूहों की सक्रिय भागीदारी तथा स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए। विशेष रूप से जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में ÷जल संरक्षण हेतु शॉक पिट/रिचार्ज पिट निर्माण महाअभियान÷ चलाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। सीईओ ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक शॉक पिट/रिचार्ज पिट का निर्माण कराया जाएगा, जिससे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा तथा भू-जल स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान महिला स्व-सहायता समूहों की सहभागिता से जन-जागरूकता अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पूर्व तैयारी, स्थल चयन, तकनीकी स्वीकृति, सामग्री की उपलब्धता तथा श्रमिकों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मुनादी, दीवार लेखन, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, ग्राम सभा एवं महिला समूह बैठकों के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि मनरेगा एवं अन्य संबंधित योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेन्स) के माध्यम से जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के साथ लिया जाए।

तकनीकी सहायकों को गुणवत्ता नियंत्रण, माप पुस्तिका संधारण तथा समय पर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम अधिकारियों एवं जनपद पंचायत सीईओ को नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड निरीक्षण करने के लिए कहा गया। बैठक में ग्राम पंचायत सचिव, महिला स्व-सहायता समूह की प्रतिनिधि महिलाएं, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक, कार्यक्रम अधिकारी, सीईओ जनपद पंचायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्याय व्यवस्था का वास्तविक उद्देश्य, पीड़ित पक्ष को समय पर मिले न्याय

दुर्ग जिला न्यायालय में सेमीनार विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

दुर्ग। न्याय व्यवस्था का वास्तविक उद्देश्य केवल निर्णय सुनाना नहीं, बल्कि पीड़ित पक्ष को समयबद्ध और प्रभावी न्याय प्रदान करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिला न्यायालय परिसर, दुर्ग के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (छ्रुस्न्र) के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण विधिक सेमीनार का आयोजन किया गया।

सेमीनार का मुख्य विषय "Speedy Trial in Civil Cases and The Succession Act" (सिविल प्रकरणों में त्वरित विचारण एवं उत्तराधिकार अधिनियम) रहा।

त्वरित न्याय: न्यायपालिका की प्राथमिकता- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने अपने संबोधन में 'स्पीडी ट्रायल' (त्वरित विचारण) की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिविल प्रकरणों में होने वाला अनावश्यक विलंब न केवल पक्षकारों की कठिनाइयां बढ़ाता है, बल्कि न्यायपालिका के प्रति जन-विश्वास को भी प्रभावित करता है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि वे उत्तराधिकार संबंधी मामलों में विधिक स्पष्टता और संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं।

विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव- सेमीनार में आमंत्रित वक्ताओं ने सिविल प्रकरणों के निष्पादन की बारीकियों और उत्तराधिकार अधिनियम के जटिल प्रावधानों पर व्यावहारिक जानकारी दी। वक्ताओं ने कोर्ट रूम में आने वाली रोजमर्रा की विधिक समस्याओं और उनके त्वरित समाधानों पर प्रकाश डाला, जिससे प्रशिक्षु और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नई दिशा मिली।

जनोन्मुख न्याय की ओर कदम- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के इस प्रयास को न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, त्वरित और जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

ई ऑफिस से प्रशासनिक कार्यों में आएगी तेजी, बढ़ेगी पारदर्शिता

कवर्धा। जिले में ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण दो पालियों में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के सभी विभागों एवं कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली, ई-एचआरएमएस और स्पैरो पोर्टल से संबंधित बारीकियों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। ई-ऑफिस के अंतर्गत डिस्पैच, पत्राचार, नोटशीट, डिजिटल हस्ताक्षर और फाइल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग, ई-एचआरएमएस प्रणाली के तहत सेवा पुस्तिका, अवकाश, पदस्थापना आदि का ऑनलाइन प्रबंधन, स्पैरो पोर्टल के माध्यम से वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन की प्रविष्टि और मूल्यांकन प्रक्रिया, अचल संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यालयीन प्रक्रियाओं को डिजिटल, पारदर्शी, त्वरित और पेपरमुक्त बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला कार्यकारणी घोषित, अंकित जायसवाल बने मीडिया प्रभारी

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय जी के मार्गदर्शन में भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक साहू जी के निर्देशानुसार एवं भाजपा चेमन देशमुख के सहमति से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोचा जिलाध्यक्ष श्याम जायसवाल द्वारा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्यसमिति एवं मंडल अध्यक्षों की सूची घोषणा की गई, जो निम्नानुसार है। उपाध्यक्ष विनोद कौशिक, गविन्द्र नाथ साहू, राकेश देवांगन, भुनेश्वर साहसी, हेमपुष्पा साहू, ललिता साहू, महामंत्री संतोष कौशिक, जनार्दन सिन्हा, जिला मंत्री मुरली साहू, ढालसिंह साहू, शिव देवांगन, के0के0 साहू, टिकेन्द्र साहू, केशव धनकर, कोषाध्यक्ष पोषण देवांगन, सह-कोषाध्यक्ष रघुवीर साहू, उमाकान्त प्रजापति मिडिया प्रभारी अंकित जायसवाल, सह मिडिया प्रभारी रामदेव रजक सोसल मिडिया मनीष साहू , सह सोशल मिडिया निलेश जायसवाल, कार्यालय मंत्री प्रीतम यादव कार्यालय सह मंत्री सेतु शांडिल्य मन की बात प्रभारी विजय भान, मन की बात सह प्रभारी रामस्वरूप सिन्हा ,कार्यकारणी सदस्यों में रामपाल साहू, गणेश राम साव, अंजू साहू, शोभा साहू, बिंदा यादव, दुर्वासा साहू, केकती सिन्हा, फलेश्वर साहू, रमेश निर्मलकर, संतोष साहू, दयालु राम साहू, , रिखी राम साहू, रजनी जायसवाल, भीखा राम साहू, टंडेश्वर लाल साहू, चुनुराम साहू, लता निषाद, धनेश चन्द्राकर, सरस्वती चन्द्राकर, दुर्गेस सिन्हा, मानिक सिन्हा, हेमलाल विश्वकर्मा, बृजेश सोनी, सतीश साहू, नेमिचंद सेन, तुकाराम साहूकार, कुलवंत वैष्णव, मुकेश साहू, रूपम देशमुख, रोहित निषाद, राधेश्याम साहू, भूषण साहू, तरूण साहू, ढाल हिरवान, मोहित साहू, गजेन्द्र चौधरी, चोवाराम साहू, चैन श्रीवास, व्यासनारायण देशमुख, रमणी बाघ, शंकर यादव, लालचंद नुणीवाल, रेवा शंकर सोनी, बेनु साहू को शामिल किया गया है।

डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी बने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ बिलासपुर संभाग प्रभारी

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से हुई नियुक्ति, संगठन में हर्ष का माहौल

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के संभाग प्रभारी एवं सह-प्रभारी की घोषणा की गई है। इस क्रम में बेमेतरा जिला में स्थित जेवरा के डाक्टर शिवेन्द्र त्रिपाठी को बिलासपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से संगठन में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी वर्तमान में आयुर्वेद संघ के जिला अध्यक्ष एवं सर्व ब्राह्मण समाज के महासचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज सेवा एवं संगठन सुदृढ़ीकरण में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण सर्वविदित है। पूर्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक के रूप में भी उन्होंने अपनी प्रभावी कार्यशैली और संगठनात्मक दक्षता का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

बिलासपुर संभाग प्रभारी के रूप में मिला यह नया दायित्व उनके अनुभव, निष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। विश्वास व्यक्त किया गया है कि उनके सक्षम नेतृत्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं व्यापक बनाएगा।

संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं।उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है इनमें बधाई देने वालो में मुख्य रूप से डॉ रूपेंद्र सिन्हा डॉ भुनेश्वर साहू डॉ विनय परमार डॉ लालाराम साहू डॉ बी पी यदु डॉ नवीन ठाकुर एवं रामनाथ गंधर्व है।

बिना अनुमति डीजे तेज आवाज में बजाते पाये जाने पर कोलाहल अधिनियम के तहत की गई वैधानिक कार्यवाही

बेमेतरा। बिना अनुमति डीजे तेज आवाज में बजाते पाये जाने पर कोलाहल अधिनियम के तहत की गई वैधानिक कार्यवाही पुलिस द्वारा किया गया। सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में 19 फरवरी 2026 को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा एक वाहन में DJ बांध कर बिना अनुमति के छ्ठ्ठ बजाते पाये जाने पर DJ सामान जप्त कर अनावेदक धर्मेन्द्र पात्रे के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। 19 फरवरी 2026 के रात्रि 22:15 बजे परशुराम चौक बेमेतरा में अनावेदक धर्मेन्द्र पात्रे उम्र 35 वर्ष निवासी रांका थाना व जिला बेमेतरा के द्वारा वाहन पिकअप कमांक सीजी 25 सी 8843 में बांध कर साउन्ड बाक्स DJ तेज में बजाते पाये जाने से अनावेदक को DJ बजाने की अनुमति के संबंध जानकारी लेने पर अनुमति नहीं होना पाया गया। अनावेदक का कृत्य धारा 15 छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम के उल्लंघन करना पाये जाने से पिकअप वाहन कमांक सीजी 25 सी 8843, एवं उक्त वाहन में लोड साउन्ड बाक्स डीजे 06 नग, एमपलीफायर 01 नग, जनरेटर एवं स्टेपलाईलर तथा 04 लाईट एवं वाहन के दस्तावेज तथा अनावेदक ड्रायविंग लाइसेंस जप्त कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सउनि जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर राजपूत, आरक्षक इंद्रजीत पांडेय सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सुपेला गुरुद्वारे में सिख समाज के लोगों ने की घर वापसी, इंदरजीत सिंह की रही मुख्य भूमिका

दुर्ग/भिलाई। सिख धर्म और परंपराओं से दूर होकर अन्य धर्म अपना चुके सिख समाज के लोगों ने आज पूरे विधि-विधान के साथ अपने मूल धर्म में 'घर वापसी' की। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के बैनर तले सुपेला गुरुद्वारे में आयोजित एक गरिमामय सभा में इन परिवारों ने पुनः सिख मर्यादाओं को स्वीकार किया।

सुपेला गुरुद्वारे में सजी श्रद्धा की सभा- इस विशेष 'घर वापसी' कार्यक्रम का आयोजन सुपेला स्थित गुरुद्वारे में किया गया। कार्यक्रम में उन लोगों को आमंत्रित किया गया था जो किन्हीं कारणों से सिख पंथ से अलग होकर दूसरे धर्मों की ओर चले गए थे। समाज के वरिष्ठों और जत्थेदारों की मौजूदगी में इन सभी ने अरदास की और गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेककर पुनः सिख धर्म की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लिया।

सिख यूथ सेवा समिति की अहम भूमिका- इस पूरे अभियान का नेतृत्व सर्व समाज कल्याण समिति एवं सिख यूथ सेवा समिति के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने किया। इंदरजीत सिंह ने सभी सदस्यों को सिख धर्म की शिक्षाओं और बलिदानों से अवगत कराते हुए उनकी वापसी सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि ÷सिख धर्म सेवा और वीरता का प्रतीक है, अपने मूल से जुड़ना ही सबसे बड़ा गौरव है।÷

समाज में हर्ष की लहर- छत्तीसगढ़ सिख पंचायत ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में ऐसे और भी प्रयास किए जाएंगे ताकि भटके हुए लोगों को वापस अपनी जड़ों से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम के समापन पर 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com